قرآن مجید

लफ़्ज़ी तरजुमा

تِلكَ الرُّسُلُ

पारा - 3

eParah

الجزء 3 وقف لازم

مَّنْ	مِنْهُمْ	عَلٰى بَعْضٍ م	بَعْضَهُمْ	فَضَّلْنَا	الرُّسُلُ	تِلْكَ
जिनसे	उनमें से बाज़ (वो हैं)	बाज़ पर	उनके बाज़ को	फ़ज़ीलत दी हमने	रसूल	ये

عِيْسَى	وَاٰتَيْنَا	دَرَجٰتٍ ط	بَعْضَهُمْ	وَرَفَعَ	اللّٰهُ	كَلَّمَ
ईसा	और दीं हमने	दरजात में	उनके बाज़ को	और उसने बुलंद किया	अल्लाह ने	कलाम किया

شَآءَ	وَلَوْ	بِرُوْحِ الْقُدُسِ ط	وَاَيَّدْنٰهُ	الْبَيِّنٰتِ	ابْنَ مَرْيَمَ
चाहता	और अगर	साथ रुहुल क़ुदुस के	और क़ुव्वत दी हमने उसे	वाज़ेह निशानियां	इबने मरियम को

مَا	مِّنْۢ بَعْدِ	مِنْۢ بَعْدِهِمْ	الَّذِيْنَ	اقْتَتَلَ	مَا	اللّٰهُ
उसके जो	बाद	थे उनके बाद	वो जो	बाहम लड़ते	ना	अल्लाह

اٰمَنَ	مَّنْ	فَمِنْهُمْ	اخْتَلَفُوْا	وَلٰكِنِ	الْبَيِّنٰتُ	جَآءَتْهُمُ
ईमान लाया	जो	फिर उनमें से कोई है	उन्होंने इख़्तिलाफ़ किया	और लेकिन	वाज़ेह निशानियां	आ गईं उनके पास

وَلٰكِنَّ	اقْتَتَلُوْا قف	مَا	اللّٰهُ	شَآءَ	وَلَوْ	كَفَرَ ط	مَّنْ	وَمِنْهُمْ
और लेकिन	वो बाहम लड़ते	ना	अल्लाह	चाहता	और अगर	कुफ़्र किया	जिसने	और उनमें से कोई है

ع 33 5 1

مِمَّا	اَنْفِقُوْا	اٰمَنُوْٓا	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	يُرِيْدُ ع (253)	مَا	يَفْعَلُ	اللّٰهَ
उसमें से जो	खर्च करो	ईमान लाए हो	ऐ लोगो जो	वो चाहता है	जो	करता है	अल्लाह

وَلَا	فِيْهِ	بَيْعٌ	لَّا	يَوْمٌ	يَّاْتِيَ	اَنْ	مِّنْ قَبْلِ	رَزَقْنٰكُمْ
और ना	उसमें	कोई ख़रीद-फ़रोख़्त	नहीं	वो दिन	आ जाए	कि	उससे पहले	रिज़्क़ दिया हमने तुम्हें

لَآ	اَللّٰهُ	الظّٰلِمُوْنَ (254)	هُمُ	وَالْكٰفِرُوْنَ	شَفَاعَةٌ ط	وَّلَا	خُلَّةٌ
नहीं	अल्लाह	ज़ालिम हैं	वो ही	और जो काफ़िर हैं	कोई सिफ़ारिश	और ना	कोई दोस्ती

وَّلَا	سِنَةٌ	لَا تَاْخُذُهٗ	الْقَيُّوْمُ ج	الْحَيُّ	هُوَ ج	اِلَّا	اِلٰهَ
और ना	ऊंघ	नही पकड़ती उसे	क़ायम रखने वाला है	ज़िंदा है	वो ही	मगर	कोई इलाह (बरहक़)

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

نَوْمٌ ؕ	لَهٗ	مَا	فِي السَّمٰوٰتِ	وَمَا	فِي الْاَرْضِ ؕ	مَنْ	ذَا الَّذِيْ
नींद	उसी के लिए है	जो कुछ	आसमानों में	और जो कुछ	ज़मीन में है	कौन है	वो जो

يَشْفَعُ	عِنْدَهٗٓ	اِلَّا	بِاِذْنِهٖ ؕ	يَعْلَمُ	مَا	بَيْنَ	اَيْدِيْهِمْ
सिफ़ारिश करे	उसके पास	मगर	उसके इज़्न से	वो जानता है	जो	दर्मियान है	उनके हाथों के

وَمَا	خَلْفَهُمْ ۚ	وَلَا	يُحِيْطُوْنَ	بِشَيْءٍ	مِّنْ عِلْمِهٖٓ	اِلَّا
और जो	उनके पीछे है	और नहीं	वो इहाता कर सकते	किसी चीज़ का	उसके इल्म में से	मगर

بِمَا	شَآءَ ۚ	وَسِعَ	كُرْسِيُّهُ	السَّمٰوٰتِ	وَالْاَرْضَ ۚ	وَلَا
जो	वो चाहे	घेर रखा है	उसकी कुर्सी ने	आसमानों	और ज़मीन को	और नहीं

يَئُوْدُهٗ	حِفْظُهُمَا ۚ	وَهُوَ	الْعَلِيُّ	الْعَظِيْمُ (255)	لَآ اِكْرَاهَ	فِي الدِّيْنِ ۙۛ
थकाती उसे	हिफ़ाज़त उन दोनों की	और वो	बुलंदतर है	बहुत बड़ा है	नहीं कोई जबर/ज़बरदस्ती	दीन में

قَدْ	تَّبَيَّنَ	الرُّشْدُ	مِنَ الْغَيِّ ۚ	فَمَنْ	يَّكْفُرْ	بِالطَّاغُوْتِ
तहक़ीक़	वाज़ेह हो गई है	हिदायत	गुमराही से	तो जो कोई	कुफ़्र करेगा	तागूत का

وَيُؤْمِنْ	بِاللّٰهِ	فَقَدِ	اسْتَمْسَكَ	بِالْعُرْوَةِ	الْوُثْقٰى ۗ	لَا انْفِصَامَ
और वो ईमान लाएगा	अल्लाह पर	पस तहक़ीक़	उसने थाम लिया	कड़ा	मज़बूत	नहीं है कोई टूटना

لَهَا ؕ	وَاللّٰهُ	سَمِيْعٌ	عَلِيْمٌ (256)	اَللّٰهُ	وَلِيُّ	الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا ۙ
उसके लिए	और अल्लाह	ख़ूब सुनने वाला है	ख़ूब जानने वाला है	अल्लाह	दोस्त है	उनका जो	ईमान लाए

يُخْرِجُهُمْ	مِّنَ الظُّلُمٰتِ	اِلَى النُّوْرِ ؕ	وَالَّذِيْنَ	كَفَرُوْٓا	اَوْلِيٰٓـُٔهُمُ
वो निकालता है उन्हें	अंधेरों से	तरफ़ नूर के	और जिन्होंने	कुफ़्र किया	दोस्त उनके

الطَّاغُوْتُ ۙ	يُخْرِجُوْنَهُمْ	مِّنَ النُّوْرِ	اِلَى الظُّلُمٰتِ ؕ	اُولٰٓئِكَ	اَصْحٰبُ
तागूत हैं	वो निकालते हैं उन्हें	नूर से	तरफ़ अंधेरों के	यही लोग हैं	साथी

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

ع 34 4 2

وقف لازم

اِلَى الَّذِىْ	تَرَ	اَلَمْ	خٰلِدُوْنَ ﴿257﴾ ع	فِيْهَا	هُمْ	النَّارِ ج
तरफ़ उसके जिसने	आपने देखा	क्या नहीं	हमेशा रहने वाले हैं	उसमें	वो	आग के

اِذْ	الْمُلْكَ م	اللّٰهُ	اٰتٰهُ	اَنْ	فِىْ رَبِّهٖٓ	اِبْرٰهٖمَ	حَآجَّ
जब	बादशाहत	अल्लाह ने	अता की उसे	कि	उसके रब के बारे में	इब्राहीम से	झगड़ा किया

اَنَا	قَالَ	وَيُمِيْتُ لا	يُحْىٖ	الَّذِىْ	رَبِّىَ	اِبْرٰهٖمُ	قَالَ
मैं	उसने कहा	और वो मौत देता है	ज़िंदा करता है	वो है जो	मेरा रब	इब्राहीम ने	कहा

بِالشَّمْسِ	يَاْتِىْ	اللّٰهَ	فَاِنَّ	اِبْرٰهٖمُ	قَالَ	وَاُمِيْتُ ط	اُحْىٖ
सूरज को	लाता है	अल्लाह	पस बेशक	इब्राहीम ने	कहा	और मैं मौत देता हूं	मैं ज़िंदा करता हूं

كَفَرَ ط	الَّذِىْ	فَبُهِتَ	مِنَ الْمَغْرِبِ	بِهَا	فَاْتِ	مِنَ الْمَشْرِقِ
कुफ़्र किया था	वो जिसने	पस मबहूत रह गया	मग़रिब से	उसे	पस तुम ले आओ	मशरिक़ से

عَلٰى	مَرَّ	كَالَّذِىْ	اَوْ	الظّٰلِمِيْنَ ﴿258﴾ ج	الْقَوْمَ	لَا يَهْدِى	وَاللّٰهُ
ऊपर	गुज़रा	मानिंद उसके जो	या	जो ज़ालिम हैं	उन लोगों को	नहीं वो हिदायत देता	और अल्लाह

يُحْىٖ	اَنّٰى	قَالَ	عَلٰى عُرُوْشِهَا ج	خَاوِيَةٌ	وَّهِىَ	قَرْيَةٍ
ज़िंदा करेगा	किस तरह	उसने कहा	अपनी छतों पर	गिरी हुई थी	और वो	एक बस्ती के

عَامٍ	مِائَةَ	اللّٰهُ	فَاَمَاتَهُ	مَوْتِهَا ج	بَعْدَ	اللّٰهُ	هٰذِهِ
साल	सौ	अल्लाह ने	तो मौत दे दी उसे	इसकी मौत के	बाद	अल्लाह	इसको

اَوْ	يَوْمًا	لَبِثْتُ	قَالَ	لَبِثْتَ ط	كَمْ	قَالَ	بَعَثَهٗ ط	ثُمَّ
या	एक दिन	ठहरा रहा मैं	उसने कहा	ठहरे रहे तुम	कितना (अरसा)	फ़रमाया	उसने उठाया उसे	फिर

اِلٰى	فَانْظُرْ	عَامٍ	مِائَةَ	لَّبِثْتَ	بَلْ	قَالَ	يَوْمٍ ط	بَعْضَ
तरफ़	पस देखो	साल	सौ	ठहरे रहे तुम	बल्कि	फ़रमाया	दिन का	कुछ हिस्सा

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

طَعَامِكَ	وَشَرَابِكَ	لَمْ	يَتَسَنَّهْ ج	وَانْظُرْ	اِلٰى	حِمَارِكَ
अपने खाने के	और अपने पीने के	नहीं	बासी हुआ वो	और देखो	तरफ़	अपने गधे के

وَلِنَجْعَلَكَ	اٰيَةً	لِّلنَّاسِ	وَانْظُرْ	اِلَى	الْعِظَامِ	كَيْفَ	نُنْشِزُهَا
और ताकि हम बना दें तुम्हें	एक निशानी	लोगों के लिए	और देखो	तरफ़	हड्डियों के	किस तरह	हम उठा कर जोड़ते हैं उन्हें

ثُمَّ	نَكْسُوْهَا	لَحْمًا ط	فَلَمَّا	تَبَيَّنَ	لَهٗ لا	قَالَ	اَعْلَمُ	اَنَّ
फिर	हम पहनाते हैं उन्हें	गोश्त	फ़िर जब	वाज़ेह हो गया	उसके लिए	उसने कहा	मैं जानता हूं	कि बेशक

اللّٰهَ	عَلٰى	كُلِّ	شَيْءٍ	قَدِيْرٌ (259)	وَاِذْ	قَالَ	اِبْرٰهٖمُ	رَبِّ
अल्लाह	ऊपर	हर	चीज़ के	बहुत क़ादिर है	और जब	कहा	इब्राहीम ने	ऐ मेरे रब

اَرِنِيْ	كَيْفَ	تُحْيِ	الْمَوْتٰى ط	قَالَ	اَوَلَمْ	تُؤْمِنْ ط	قَالَ	بَلٰى
दिखा मुझे	किस तरह	तू ज़िंदा करेगा	मुर्दों को	फ़रमाया	क्या भला नहीं	तुम ईमान रखते	उसने कहा	क्यों नहीं

وَلٰكِنْ	لِّيَطْمَئِنَّ	قَلْبِيْ ط	قَالَ	فَخُذْ	اَرْبَعَةً	مِّنَ الطَّيْرِ
और लेकिन	ताकि मुत्मइन हो जाए	दिल मेरा	फ़रमाया	पस ले लो	चार	परिंदों में से

فَصُرْهُنَّ	اِلَيْكَ	ثُمَّ	اجْعَلْ	عَلٰى	كُلِّ	جَبَلٍ	مِّنْهُنَّ	جُزْءًا
फिर माइल करो उन्हें	तरफ़ अपने	फिर	रख दो	ऊपर	हर	पहाड़ के	उनमें से	एक हिस्सा

ثُمَّ	ادْعُهُنَّ	يَاْتِيْنَكَ	سَعْيًا ط	وَاعْلَمْ	اَنَّ	اللّٰهَ	عَزِيْزٌ
फिर	बुलाओ उन्हें	वो आ जाएंगे तेरे पास	दौड़ते हुए	और जान लो	बेशक	अल्लाह	बहुत ज़बरदस्त है

ع 35 3 3

حَكِيْمٌ ع (260)	مَثَلُ	الَّذِيْنَ	يُنْفِقُوْنَ	اَمْوَالَهُمْ	فِيْ سَبِيْلِ اللّٰهِ
ख़ूब हिक्मत वाला है	मिसाल	उनकी जो	खर्च करते हैं	अपने मालों को	अल्लाह के रास्ते में

كَمَثَلِ	حَبَّةٍ	اَنْبَتَتْ	سَبْعَ	سَنَابِلَ	فِيْ كُلِّ سُنْۢبُلَةٍ	مِّائَةُ
मानिंद मिसाल	एक दाने के है	उस ने उगाईं	सात	बालियां	हर बाली में	सौ

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

عَلِيْمٌ (261)	وَاسِعٌ	وَاللّٰهُ	يَّشَآءُ ؕ	لِمَنْ	يُّضٰعِفُ	وَاللّٰهُ	حَبَّةٍ ؕ
खूब जानने वाला है	वुसअत वाला है	और अल्लाह	वो चाहता है	जिसके लिए	बढ़ाता है	और अल्लाह	दाने

مَآ	لَا يُتْبِعُوْنَ	ثُمَّ	فِيْ سَبِيْلِ اللّٰهِ	اَمْوَالَهُمْ	يُنْفِقُوْنَ	اَلَّذِيْنَ
उसके जो	नहीं वो पीछे लाते	फिर	अल्लाह के रास्ते में	अपने मालों को	खर्च करते हैं	वो जो

رَبِّهِمْ ج	عِنْدَ	اَجْرُهُمْ	لَهُمْ	اَذًى ۙ	وَّلَآ	مَنًّا	اَنْفَقُوْا
उनके रब के	पास	अज्र उनका	उनके लिए है	अज़ियत को	और ना	एहसान को	उन्होंने खर्च किया

مَّعْرُوْفٌ	قَوْلٌ	يَحْزَنُوْنَ (262)	هُمْ	وَلَا	عَلَيْهِمْ	خَوْفٌ	وَلَا
अच्छी (कहना)	बात	वो ग़मगीन होंगे	वो	और ना	उन पर	कोई ख़ौफ़ होगा	और ना

غَنِيٌّ	وَاللّٰهُ	اَذًى ؕ	يَّتْبَعُهَآ	مِّنْ صَدَقَةٍ	خَيْرٌ	وَّمَغْفِرَةٌ
बड़ा बेनियाज़ है	और अल्लाह	कोई अज़ियत	पीछे आए जिसके	उस सदक़े से	बेहतर है	और माफ़ करना

بِالْمَنِّ	صَدَقٰتِكُمْ	لَا تُبْطِلُوْا	اٰمَنُوْا	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	حَلِيْمٌ (263)
साथ एहसान	अपने सदक़ात को	ना तुम ज़ाया करो	ईमान लाए हो	ऐ लोगो जो	बहुत बुर्दबार है

يُؤْمِنُ	وَلَا	النَّاسِ	رِئَآءَ	مَالَهٗ	يُنْفِقُ	كَالَّذِيْ	وَالْاَذٰى ۙ
वो ईमान लाता	और नहीं	लोगों को	दिखाने के लिए	माल अपना	खर्च करता है	उसकी तरह जो	और अज़ियत के

تُرَابٌ	عَلَيْهِ	صَفْوَانٍ	كَمَثَلِ	فَمَثَلُهٗ	وَالْيَوْمِ الْاٰخِرِ ؕ	بِاللّٰهِ
मिट्टी हो	जिस पर	चिकने पत्थर के है	मानिंद मिसाल	तो मिसाल उसकी	और आख़री दिन पर	अल्लाह पर

عَلٰى شَيْءٍ	لَا يَقْدِرُوْنَ	صَلْدًا ؕ	فَتَرَكَهٗ	وَابِلٌ	فَاَصَابَهٗ
किसी चीज़ पर	नहीं वो क़ुदरत रखते होंगे	साफ़ चट्टान	तो वो छोड़ दे उसे	तेज़ बारिश	तो पहुंचे उसे

وَمَثَلُ	الْكٰفِرِيْنَ (264)	الْقَوْمَ	لَا يَهْدِي	وَاللّٰهُ	كَسَبُوْا ؕ	مِّمَّا
और मिसाल	जो काफ़िर हैं	उन लोगों को	नहीं वो हिदायत देता	और अल्लाह	उन्होंने कमाई की	उस में से जो

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

الَّذِيْنَ	يُنْفِقُوْنَ	اَمْوَالَهُمُ	ابْتِغَآءَ	مَرْضَاتِ	اللّٰهِ	وَ تَثْبِيْتًا
उनकी जो	खर्च करते हैं	अपने माल	चाहने के लिए	रज़ामंदी	अल्लाह की	और पुख़्तगी के लिए

مِّنْ اَنْفُسِهِمْ	كَمَثَلِ	جَنَّةٍۭ	بِرَبْوَةٍ	اَصَابَهَا	وَابِلٌ	فَاٰتَتْ
अपने नफ़्सों की	मानिंद मिसाल	एक बाग के है	ऊंची जगह पर	पहुंचे उसे	तेज़ बारिश	तो वो दे

اُكُلَهَا	ضِعْفَيْنِ ۚ	فَاِنْ	لَّمْ	يُصِبْهَا	وَابِلٌ	فَطَلٌّ ؕ	وَاللّٰهُ
फल अपना	दुगना	फिर अगर	ना	पहुंचे उसे	तेज़ बारिश	तो फुवार (ही काफ़ी है)	और अल्लाह

بِمَا	تَعْمَلُوْنَ	بَصِيْرٌ ﴿265﴾	اَيَوَدُّ	اَحَدُكُمْ	اَنْ	تَكُوْنَ	لَهٗ
उसे जो	तुम अमल करते हो	ख़ूब देखने वाला है	क्या चाहता है	कोई एक तुम में से	कि	हो	उसके लिए

جَنَّةٌ	مِّنْ نَّخِيْلٍ	وَّ اَعْنَابٍ	تَجْرِيْ	مِنْ تَحْتِهَا	الْاَنْهٰرُ ۙ	لَهٗ
एक बाग़	खजूरों का	और अंगूरों का	बहती हों	उसके नीचे से	नहरें	उसके लिए

فِيْهَا	مِنْ كُلِّ	الثَّمَرٰتِ ۙ	وَ اَصَابَهُ	الْكِبَرُ	وَلَهٗ	ذُرِّيَّةٌ
उस में	हर तरह के	फल हों	और पहुंचे उसे	बुढ़ापा	और उसकी	औलाद हो

ضُعَفَآءُ ۖ	فَاَصَابَهَآ	اِعْصَارٌ	فِيْهِ	نَارٌ	فَاحْتَرَقَتْ ؕ	كَذٰلِكَ
कमज़ोर (छोटी)	फिर पहुंचे उसे	एक बगोला	जिसमें	आग हो	पस वो जल जाए	इसी तरह

ع 36 6 4

يُبَيِّنُ	اللّٰهُ	لَكُمُ	الْاٰيٰتِ	لَعَلَّكُمْ	تَتَفَكَّرُوْنَ ﴿266﴾ ع	يٰۤاَيُّهَا الَّذِيْنَ
वाज़ेह करता है	अल्लाह	तुम्हारे लिए	निशानियां	ताकि तुम	तुम ग़ौरो फ़िक्र करो	ऐ लोगो जो

اٰمَنُوْٓا	اَنْفِقُوْا	مِنْ طَيِّبٰتِ	مَا	كَسَبْتُمْ	وَ مِمَّآ	اَخْرَجْنَا
ईमान लाए हो	खर्च करो	पाकीज़ा चीज़ों में से	जो	कमाई तुमने	और उसमें से जो	निकाला हमने

لَكُمْ	مِّنَ الْاَرْضِ ۖ	وَلَا	تَيَمَّمُوا	الْخَبِيْثَ	مِنْهُ	تُنْفِقُوْنَ
तुम्हारे लिए	ज़मीन से	और ना	तुम इरादा करो	नापाक का	उसमें से जो	तुम खर्च करते हो

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَاعْلَمُوْٓا	فِيْهِ ط	تُغْمِضُوْا	اَنْ	اِلَّآ	بِاٰخِذِيْهِ	وَلَسْتُمْ
और जान लो	उस में	तुम चश्मपोशी कर जाओ	ये कि	मगर	लेने वाले उसे	हालांकि नहीं तुम

الْفَقْرَ	يَعِدُكُمُ	اَلشَّيْطٰنُ	حَمِيْدٌ ﴿267﴾	غَنِيٌّ	اللّٰهَ	اَنَّ
फ़क्र से	डराता है तुम्हें	शैतान	बहुत तारीफ़ वाला है	बहुत बेनियाज़ है	अल्लाह	बेशक

وَفَضْلًا ط	مِّنْهُ	مَّغْفِرَةً	يَعِدُكُمْ	وَاللّٰهُ	بِالْفَحْشَآءِ ج	وَيَاْمُرُكُمْ
और फ़ज़्ल का	अपनी तरफ़ से	बख़्शिश का	वादा करता है तुमसे	और अल्लाह	बेहयाई का	और वो हुक्म देता है तुम्हें

يَّشَآءُ ج	مَنْ	الْحِكْمَةَ	يُّؤْتِي	عَلِيْمٌ ﴿268﴾ صلے	وَاسِعٌ	وَاللّٰهُ
वो चाहता है	जिसे	हिक्मत	वो देता है	ख़ूब जानने वाला है	वुसअत वाला है	और अल्लाह

وَمَا	كَثِيْرًا ط	خَيْرًا	اُوْتِيَ	فَقَدْ	الْحِكْمَةَ	يُّؤْتَ	وَمَنْ
और नहीं	कसीर/बहुत ज़्यादा	ख़ैर	वो दिया गया	तो तहक़ीक़	हिक्मत	दिया गया	और जो कोई

اَوْ	مِّنْ نَّفَقَةٍ	اَنْفَقْتُمْ	وَمَآ	اُولُوا الْاَلْبَابِ ﴿269﴾	اِلَّآ	يَذَّكَّرُ
या	कोई ख़र्च	ख़र्च किया तुमने	और जो	अक़्ल वाले	मगर	नसीहत पकड़ते

لِلظّٰلِمِيْنَ	وَمَا	يَعْلَمُهٗ ط	اللّٰهَ	فَاِنَّ	مِّنْ نَّذْرٍ	نَذَرْتُمْ
ज़ालिमों के लिए	और नहीं	जानता है उसे	अल्लाह	तो बेशक	कोई नज़र	नज़र मानी तुमने

وَاِنْ	هِيَ ج	فَنِعِمَّا	الصَّدَقٰتِ	تُبْدُوا	اِنْ	مِنْ اَنْصَارٍ ﴿270﴾
और अगर	वो	तो क्या ही अच्छा है	सदक़ात	तुम ज़ाहिर करो	अगर	मददगारों में से कोई

وَيُكَفِّرُ	لَّكُمْ ط	خَيْرٌ	فَهُوَ	الْفُقَرَآءَ	وَتُؤْتُوْهَا	تُخْفُوْهَا
और वो दूर कर देगा	तुम्हारे लिए	बेहतर है	तो वो	फ़ुक़रा को	और तुम दो उन्हें	तुम छुपाओ उन्हें

لَيْسَ	خَبِيْرٌ ﴿271﴾	تَعْمَلُوْنَ	بِمَا	وَاللّٰهُ	مِّنْ سَيِّاٰتِكُمْ ط	عَنْكُمْ
नहीं है	ख़ूब बाख़बर है	तुम अमल करते हो	उस से जो	और अल्लाह	तुम्हारी बुराईयों को	तुमसे

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

عَلَيْكَ	هُدٰىهُمْ	وَلٰكِنَّ	اللّٰهَ	يَهْدِيْ	مَنْ	يَّشَآءُ ؕ	وَمَا
आप पर	हिदायत देना उन्हें	और लेकिन	अल्लाह	हिदायत देता है	जिसे	वो चाहता है	और जो

تُنْفِقُوْا	مِنْ خَيْرٍ	فَلِاَنْفُسِكُمْ ؕ	وَمَا	تُنْفِقُوْنَ	اِلَّا	ابْتِغَآءَ
तुम खर्च करोगे	माल में से	तो तुम्हारे नफ़्सों के लिए है	और नहीं	तुम खर्च करते	मगर	चाहने के लिए

وَجْهِ	اللّٰهِ ؕ	وَمَا	تُنْفِقُوْا	مِنْ خَيْرٍ	يُّوَفَّ	اِلَيْكُمْ	وَاَنْتُمْ
चेहरा	अल्लाह का	और जो	तुम खर्च करोगे	माल में से	वो पूरा दे दिया जाएगा	तुम्हें	और तुम

لَا تُظْلَمُوْنَ (272)	لِلْفُقَرَآءِ	الَّذِيْنَ	اُحْصِرُوْا	فِيْ سَبِيْلِ اللّٰهِ
ना तुम ज़ुल्म किए जाओगे	(सदक़ात) फ़ुक़रा के लिए हैं	और जो	घेर लिए गए	अल्लाह के रास्ते में

لَا يَسْتَطِيْعُوْنَ	ضَرْبًا	فِي الْاَرْضِ ز	يَحْسَبُهُمُ	الْجَاهِلُ
नहीं वो इस्तिताअत रखते	चलने फिरने की	ज़मीन में	समझता है उन्हें	जाहिल / ना समझ

اَغْنِيَآءَ	مِنَ التَّعَفُّفِ ج	تَعْرِفُهُمْ	بِسِيْمٰهُمْ ج	لَا يَسْئَلُوْنَ
मालदार	बचने की वजह से (सवाल से)	तुम पहचान लोगे उन्हें	उनके चेहरे की अलामत से	नहीं वो मांगते

النَّاسَ	اِلْحَافًا ؕ	وَمَا	تُنْفِقُوْا	مِنْ خَيْرٍ	فَاِنَّ	اللّٰهَ	بِهٖ
लोगों से	लिपट कर	और जो	तुम खर्च करोगे	माल में से	तो बेशक	अल्लाह	उसे

عَلِيْمٌ (273) ع	الَّذِيْنَ	يُنْفِقُوْنَ	اَمْوَالَهُمْ	بِالَّيْلِ	وَالنَّهَارِ	سِرًّا
ख़ूब जानने वाला है	वो जो	खर्च करते हैं	अपने मालों को	रात	और दिन	छुपा कर

ع 37 7 5

وَّعَلَانِيَةً	فَلَهُمْ	اَجْرُهُمْ	عِنْدَ	رَبِّهِمْ ج	وَلَا	خَوْفٌ	عَلَيْهِمْ
और ऐलानिया तौर पर	तो उनके लिए है	अज्र उनका	पास	उनके रब के	और ना	कोई खौफ़ होगा	उन पर

وَلَا	هُمْ	يَحْزَنُوْنَ (274)	الَّذِيْنَ	يَاْكُلُوْنَ	الرِّبٰوا	لَا يَقُوْمُوْنَ
और ना	वो	वो ग़मगीन होंगे	वो जो	खाते हैं	सूद	नहीं वो खड़े होंगे

وقف منزل

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وقف لازم

اِلَّا	كَمَا	يَقُوْمُ	الَّذِيْ	يَتَخَبَّطُهُ	الشَّيْطٰنُ	مِنَ الْمَسِّ ۚ	ذٰلِكَ
मगर	जैसा कि	खड़ा होता है	वो जो	ख़बती बना दिया हो उसे	शैतान ने	छू कर	ये

بِاَنَّهُمْ	قَالُوْٓا	اِنَّمَا	الْبَيْعُ	مِثْلُ	الرِّبٰوا ۘ	وَاَحَلَّ
बवजह उसके कि वो	वो कहते हैं	बेशक	तिजारत	मानिंद है	सूद के	हालांकि हलाल किया

اللّٰهُ	الْبَيْعَ	وَحَرَّمَ	الرِّبٰوا ۚ	فَمَنْ	جَآءَهٗ	مَوْعِظَةٌ
अल्लाह ने	तिजारत को	और उसने हराम किया	सूद को	तो जो कोई	आ जाए उसके पास	कोई नसीहत

مِّنْ رَّبِّهٖ	فَانْتَهٰى	فَلَهٗ	مَا	سَلَفَ ۚ	وَاَمْرُهٗٓ	اِلَى اللّٰهِ ۚ
उसके रब की तरफ़ से	फिर वो बाज़ आ जाए	तो उसके लिए है	जो	पहले हो चुका	और मामला उसका है	तरफ़ अल्लाह के

وَمَنْ	عَادَ	فَاُولٰٓئِكَ	اَصْحٰبُ	النَّارِ ۚ	هُمْ	فِيْهَا	خٰلِدُوْنَ (275)
और जो कोई	लौट आए	तो यही लोग हैं	साथी	आग के	वो	उसमें	हमेशा रहने वाले है

يَمْحَقُ	اللّٰهُ	الرِّبٰوا	وَيُرْبِي	الصَّدَقٰتِ ۚ	وَاللّٰهُ	لَا يُحِبُّ	كُلَّ
मिटाता है	अल्लाह	सूद को	और वो बढ़ाता है	सदक़ात को	और अल्लाह	नही वो पसंद करता	हर

كَفَّارٍ	اَثِيْمٍ (276)	اِنَّ	الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	وَعَمِلُوا	الصّٰلِحٰتِ
सख़्त नाशुक्रे	बहुत गुनाहगार को	बेशक	वो जो	ईमान लाए	और उन्होंने अमल किए	नेक

وَاَقَامُوا	الصَّلٰوةَ	وَاٰتَوُا	الزَّكٰوةَ	لَهُمْ	اَجْرُهُمْ	عِنْدَ	رَبِّهِمْ ۚ
और उन्होंने क़ायम की	नमाज़	और उन्होंने अदा की	ज़कात	उनके लिए	अजर उनका	पास	उनके रब के

وَلَا	خَوْفٌ	عَلَيْهِمْ	وَلَا	هُمْ	يَحْزَنُوْنَ (277)	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوا
और ना	कोई ख़ौफ़ होगा	उन पर	और ना	वो	वो ग़मगीन होंगे	ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो

اتَّقُوا	اللّٰهَ	وَذَرُوْا	مَا	بَقِيَ	مِنَ الرِّبٰوٓا	اِنْ	كُنْتُمْ
डरो	अल्लाह से	और छोड़ दो	जो	बाक़ी रह गया हो	सूद में से	अगर	हो तुम

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

مِّنَ اللّٰهِ	بِحَرْبٍ	فَاْذَنُوْا	تَفْعَلُوْا	لَّمْ	فَاِنْ	مُّؤْمِنِيْنَ ﴿278﴾
अल्लाह से	जंग का	तो ऐलान सुन लो	तुम करो	ना	फिर अगर	ईमान लाने वाले

اَمْوَالِكُمْ ج	رُءُوْسُ	فَلَكُمْ	تُبْتُمْ	وَاِنْ	وَرَسُوْلِهٖ ج
तुम्हारे मालों का	असल	तो तुम्हारे लिए	तौबा कर लो तुम	और अगर	और उसके रसूल से

فَنَظِرَةٌ	ذُوْ عُسْرَةٍ	كَانَ	وَاِنْ	تُظْلَمُوْنَ ﴿279﴾	وَلَا	لَا تَظْلِمُوْنَ
तो मोहलत देना है	तंगदस्त	है वो	और अगर	तुम ज़ुल्म किए जाओगे	और ना	ना तुम ज़ुल्म करोगे

كُنْتُمْ	اِنْ	لَّكُمْ	خَيْرٌ	تَصَدَّقُوْا	وَاَنْ	اِلٰى مَيْسَرَةٍ ط
हो तुम	अगर	तुम्हारे लिए	बेहतर है	तुम सदक़ा कर दो	और ये कि	आसानी तक

ثُمَّ	اِلَى اللّٰهِ قف	فِيْهِ	تُرْجَعُوْنَ	يَوْمًا	وَاتَّقُوْا	تَعْلَمُوْنَ ﴿280﴾
फिर	तरफ़ अल्लाह के	जिस में	तुम लौटाए जाओगे	उस दिन से	और डरो	तुम जानते

لَا يُظْلَمُوْنَ ﴿281﴾ ع	وَهُمْ	كَسَبَتْ	مَّا	نَفْسٍ	كُلُّ	تُوَفّٰى
ज़ुल्म ना किए जाएंगे	और वो	उस ने कमाया	जो	नफ़्स को	हर	पूरा-पूरा दिया जाएगा

ع 38 8 6

اِلٰٓى اَجَلٍ مُّسَمًّى	بِدَيْنٍ	تَدَايَنْتُمْ	اِذَا	اٰمَنُوْٓا	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ
एक मुक़र्रर वक़्त तक	क़र्ज़ का	तुम बाहम लेन-देन करो	जब	ईमान लाए हो	ऐ लोगो जो

وَلَا	بِالْعَدْلِ ص	كَاتِبٌ	بَّيْنَكُمْ	وَلْيَكْتُبْ	فَاكْتُبُوْهُ ط
और ना	साथ अदल के	एक लिखने वाला	दर्मियान तुम्हारे	और चाहिए कि लिखे	तो लिख लो उसे

فَلْيَكْتُبْ ج	اللّٰهُ	عَلَّمَهُ	كَمَا	يَّكْتُبَ	اَنْ	كَاتِبٌ	يَاْبَ
पस चाहिए कि वो लिखे	अल्लाह ने	सिखाया उसे	जैसा कि	वो लिखे	कि	लिखने वाला	इंकार करे

رَبَّهٗ	اللّٰهَ	وَلْيَتَّقِ	الْحَقُّ	عَلَيْهِ	الَّذِيْ	وَلْيُمْلِلِ
जो रब है उसका	अल्लाह से	और चाहिए कि वो डरे	हक़ है	जिस पर	वो शख़्स	और चाहिए कि इमला कराए

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَلَا	يَبْخَسْ	مِنْهُ	شَيْـًٔا ؕ	فَإِنْ	كَانَ	الَّذِىْ	عَلَيْهِ
और ना	वो कमी करे	उस में से	किसी चीज़ की	फिर अगर	हो	वो शख़्स	जिस पर

الْحَقُّ	سَفِيْهًا	اَوْ	ضَعِيْفًا	اَوْ	لَا يَسْتَطِيْعُ	اَنْ	يُّمِلَّ
हक़ है	नादान	या	कमज़ोर	या	नहीं वो इस्तिताअत रखता	कि	इमला कराए

هُوَ	فَلْيُمْلِلْ	وَلِيُّهٗ	بِالْعَدْلِ ؕ	وَاسْتَشْهِدُوْا	شَهِيْدَيْنِ
वो	पस चाहिए कि इमला कराए	सरपरस्त उसका	साथ अदल के	और गवाह बना लो	दो गवाह

مِنْ رِّجَالِكُمْ ۚ	فَإِنْ	لَّمْ	يَكُوْنَا	رَجُلَيْنِ	فَرَجُلٌ	وَّامْرَاَتٰنِ
अपने मर्दों में से	फिर अगर	ना	हों वो दोनों	दो मर्द	तो एक मर्द	और दो औरतें

مِمَّنْ	تَرْضَوْنَ	مِنَ الشُّهَدَآءِ	اَنْ	تَضِلَّ	اِحْدٰىهُمَا
उन में से जिन्हें	तुम पसंद करते हो	गवाहों में से	कि	भूल जाए	उन दोनों में से एक

فَتُذَكِّرَ	اِحْدٰىهُمَا	الْاُخْرٰى ؕ	وَلَا	يَاْبَ	الشُّهَدَآءُ	اِذَا مَا
तो याद दिहानी करा दे	उन दोनों में से एक	दूसरी को	और ना	इंकार करें	गवाह	जब भी

دُعُوْا ؕ	وَلَا	تَسْـَٔمُوْٓا	اَنْ	تَكْتُبُوْهُ	صَغِيْرًا	اَوْ	كَبِيْرًا
वो बुलाए जाएं	और ना	तुम उकताहट महसूस करो	कि	तुम लिख लो उसे	छोटा हो	या	बड़ा हो

اِلٰٓى اَجَلِهٖ ؕ	ذٰلِكُمْ	اَقْسَطُ	عِنْدَ	اللّٰهِ	وَاَقْوَمُ	لِلشَّهَادَةِ
उसके मुक़र्रर वक़्त तक	ये	ज़्यादा इंसाफ़ वाला है	नज़दीक	अल्लाह के	और ज़्यादा दुरुस्त है	गवाही के लिए

وَاَدْنٰٓى	اَلَّا	تَرْتَابُوْٓا	اِلَّآ	اَنْ	تَكُوْنَ	تِجَارَةً	حَاضِرَةً
और ज़्यादा क़रीब है	कि ना	तुम शक में पड़ो	मगर	ये कि	हो	तिजारत	हाज़िर

تُدِيْرُوْنَهَا	بَيْنَكُمْ	فَلَيْسَ	عَلَيْكُمْ	جُنَاحٌ	اَلَّا	تَكْتُبُوْهَا ؕ
तुम लेन-देन करते हो जिस का	आपस में	तो नहीं है	तुम पर	कोई गुनाह	कि ना	तुम लिखो उसे

© AL-HUDA INTERNATIONL WELFARE FOUNDATION

وَاَشْهِدُوْٓا	اِذَا	تَبَايَعْتُمْ ص	وَلَا	يُضَآرَّ	كَاتِبٌ	وَّلَا
और गवाह बनालो	जब	बाहम ख़रीदो-फ़रोख़्त करो तुम	और ना	नुक़्सान पहुंचाए/पहुंचाया जाए	कातिब	और ना

شَهِيْدٌ ط	وَاِنْ	تَفْعَلُوْا	فَاِنَّهٗ	فُسُوْقٌۢ	بِكُمْ ط	وَاتَّقُوا	اللّٰهَ ط
गवाह	और अगर	तुम (ऐसा) करोगे	तो बेशक वो	नाफ़रमानी है	तुम्हारी	और डरो	अल्लाह से

وَيُعَلِّمُكُمُ	اللّٰهُ ط	وَاللّٰهُ	بِكُلِّ	شَيْءٍ	عَلِيْمٌ (282)	وَاِنْ
और सिखाता है तुम्हें	अल्लाह	और अल्लाह	हर	चीज़ को	ख़ूब जानने वाला है	और अगर

كُنْتُمْ	عَلٰى سَفَرٍ	وَّلَمْ	تَجِدُوْا	كَاتِبًا	فَرِهٰنٌ	مَّقْبُوْضَةٌ ط
हो तुम	सफ़र पर	और ना	तुम पाओ	कोई कातिब	तो रहन रखना है	क़ब्ज़े में दी हुई (चीज़)

فَاِنْ	اَمِنَ	بَعْضُكُمْ	بَعْضًا	فَلْيُؤَدِّ	الَّذِى	اؤْتُمِنَ
फिर अगर	ऐतबार करे	बाज़ तुम्हारा	बाज़ पर	तो चाहिए कि अदा करे	वो जो	अमीन बनाया गया

اَمَانَتَهٗ	وَلْيَتَّقِ	اللّٰهَ	رَبَّهٗ ط	وَلَا	تَكْتُمُوا	الشَّهَادَةَ ط
उस की अमानत को	और चाहिए कि वो डरे	अल्लाह से	जो रब है उस का	और ना	तुम छुपाओ	गवाही को

وَمَنْ	يَّكْتُمْهَا	فَاِنَّهٗٓ	اٰثِمٌ	قَلْبُهٗ ط	وَاللّٰهُ	بِمَا	تَعْمَلُوْنَ
और जो कोई	छुपाएगा उसे	तो बेशक वो	गुनाहगार है	दिल उसका	और अल्लाह	उसे जो	तुम अमल करते हो

عَلِيْمٌ (283) ع	لِلّٰهِ	مَا	فِى السَّمٰوٰتِ	وَمَا	فِى الْاَرْضِ ط	وَاِنْ
ख़ूब जानने वाला है	अल्लाह ही के लिए है	जो	आसमानों में है	और जो	ज़मीन में है	और अगर

ع 39 2 7

تُبْدُوْا	مَا	فِىْٓ اَنْفُسِكُمْ	اَوْ	تُخْفُوْهُ	يُحَاسِبْكُمْ	بِهِ
तुम जाहिर करोगे	जो	तुम्हारे नफ़्सों में है	या	तुम छुपाओगे उसे	मुहासबा करेगा तुम्हारा	साथ उसके

اللّٰهُ ط	فَيَغْفِرُ	لِمَنْ	يَّشَآءُ	وَيُعَذِّبُ	مَنْ	يَّشَآءُ ط	وَاللّٰهُ
अल्लाह	फिर वो बख़्श देगा	जिसे	वो चाहेगा	और वो अज़ाब देगा	जिसे	वो चाहेगा	और अल्लाह

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

عَلٰى	كُلِّ	شَيْءٍ	قَدِيْرٌ (284)	اٰمَنَ	الرَّسُوْلُ	بِمَآ	اُنْزِلَ
ऊपर	हर	चीज़ के	बहुत क़ुदरत रखने वाला है	ईमान लाया	रसूल	उस पर जो	नाज़िल किया गया

اِلَيْهِ	مِنْ رَّبِّهٖ	وَالْمُؤْمِنُوْنَ ؕ	كُلٌّ	اٰمَنَ	بِاللّٰهِ
तरफ़ उसके	उसके रब की तरफ़ से	और सारे मोमिन (भी)	हर एक	ईमान लाया	अल्लाह पर

وَمَلٰٓئِكَتِهٖ	وَكُتُبِهٖ	وَرُسُلِهٖ قف	لَا نُفَرِّقُ	بَيْنَ	اَحَدٍ
और उसके फ़रिश्तों	और उसकी किताबों	और उसके रसूलों पर	नहीं हम फ़र्क़ करते	दर्मियान	किसी एक के

مِّنْ رُّسُلِهٖ قف	وَقَالُوْا	سَمِعْنَا	وَاَطَعْنَا ۫	غُفْرَانَكَ	رَبَّنَا
उसके रसूलों में से	और उन्होंने कहा	सुना हमने	और इताअत की हमने	तेरी मग़फिरत (चाहते हैं)	ऐ हमारे रब

وَاِلَيْكَ	الْمَصِيْرُ (285)	لَا يُكَلِّفُ	اللّٰهُ	نَفْسًا	اِلَّا	وُسْعَهَا ؕ
और तेरी ही तरफ़	पलटना है	नही तकलीफ़ देता	अल्लाह	किसी नफ़्स को	मगर	उसकी वुसअत भर

لَهَا	مَا	كَسَبَتْ	وَعَلَيْهَا	مَا	اكْتَسَبَتْ ؕ	رَبَّنَا
उसी के लिए है	जो	उसने (नेकी) कमाई	और उसके ज़िम्मे है	जो	उसने (बुराई) कमाई	ऐ हमारे रब

لَا تُؤَاخِذْنَآ	اِنْ	نَّسِيْنَآ	اَوْ	اَخْطَاْنَا ۚ	رَبَّنَا	وَلَا
ना मुआख़ज़ा करना हमारा	अगर	भूल जाएें हम	या	ख़ता करें हम	ऐ हमारे रब	और ना

تَحْمِلْ	عَلَيْنَآ	اِصْرًا	كَمَا	حَمَلْتَهٗ	عَلَى الَّذِيْنَ
तू डाल	हम पर	ऐसा बोझ	जैसा कि	डाला तू ने उसे	उन पर जो

مِنْ قَبْلِنَا ۚ	رَبَّنَا	وَلَا	تُحَمِّلْنَا	مَا	لَا طَاقَةَ	لَنَا
हम से पहले थे	ऐ हमारे रब	और ना	तू उठवा हमसे	वो जो	नहीं ताक़त	हमारे लिए

بِهٖ ۚ	وَاعْفُ	عَنَّا وقفة	وَاغْفِرْ	لَنَا وقفة	وَارْحَمْنَا وقفة	اَنْتَ
जिस की	और दरगुज़र फ़रमा	हमसे	और बख़्श दे	हमें	और रहम फ़रमा हम पर	तू

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

ع 40 3 8

مَوْلٰىنَا	فَانْصُرْنَا	عَلَى الْقَوْمِ	الْكٰفِرِيْنَ ﴿286﴾ ع
मौला है हमारा	पस मदद फ़रमा हमारी	उन लोगों पर	जो काफ़िर हैं

اٰيَاتُهَا: 200 — 3 سُوْرَةُ اٰلِ عِمْرٰنَ مَدَنِيَّةٌ 89 — رُكُوْعَاتُهَا: 20

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ

الٓمّٓ ﴿1﴾	اللّٰهُ	لَآ	اِلٰهَ	اِلَّا	هُوَ	الْحَيُّ	الْقَيُّوْمُ ﴿2﴾	نَزَّلَ
الٓمّٓ	अल्लाह	नहीं	कोई इलाह (बरहक़)	मगर	वही	ज़िंदा है	क़ायम रखने वाला है	उसने नाज़िल की

عَلَيْكَ	الْكِتٰبَ	بِالْحَقِّ	مُصَدِّقًا	لِّمَا	بَيْنَ يَدَيْهِ
आप पर	किताब	साथ हक़ के	तस्दीक़ करने वाली है	उन की जो	उससे पहले थीं

وَاَنْزَلَ	التَّوْرٰىةَ	وَالْاِنْجِيْلَ ﴿3﴾	مِنْ قَبْلُ	هُدًى	لِّلنَّاسِ
और उसने नाज़िल की	तौरात	और इंजील	उस से पहले	हिदायत	लोगों के लिए

وَاَنْزَلَ	الْفُرْقَانَ	اِنَّ	الَّذِيْنَ	كَفَرُوْا	بِاٰيٰتِ	اللّٰهِ	لَهُمْ
और उसने नाज़िल किया	फ़ुरक़ान	बेशक	वो जिन्होंने	कुफ़्र किया	साथ आयात के	अल्लाह की	उनके लिए

عَذَابٌ	شَدِيْدٌ	وَاللّٰهُ	عَزِيْزٌ	ذُو انْتِقَامٍ ﴿4﴾	اِنَّ	اللّٰهَ
अज़ाब है	सख़्त	और अल्लाह	बहुत ज़बरदस्त है	इन्तिक़ाम लेने वाला है	बेशक	अल्लाह

لَا يَخْفٰى	عَلَيْهِ	شَيْءٌ	فِي الْاَرْضِ	وَلَا	فِي السَّمَآءِ ﴿5﴾	هُوَ
नहीं छुपती	उस पर	कोई चीज़	ज़मीन में	और ना	आसमान में	वो ही है

الَّذِيْ	يُصَوِّرُكُمْ	فِي الْاَرْحَامِ	كَيْفَ	يَشَآءُ	لَآ	اِلٰهَ
जो	सूरत बनाता है तुम्हारी	रहमों में	जिस तरह	वो चाहता है	नहीं है	कोई इलाह (बरहक़)

اِلَّا	هُوَ	الْعَزِيْزُ	الْحَكِيْمُ ﴿6﴾	هُوَ	الَّذِيْٓ	اَنْزَلَ	عَلَيْكَ
मगर	वो ही	बहुत ज़बरदस्त	ख़ूब हिक्मत वाला है	वो ही है	जिसने	नाज़िल की	आप पर

© AL-HUDA INTERNATIONL WELFARE FOUNDATION

الْكِتٰبَ	مِنْهُ	اٰيٰتٌ	مُّحْكَمٰتٌ	هُنَّ	اُمُّ	الْكِتٰبِ	وَاُخَرُ
किताब	उस में से	कुछ आयात	मोहकम हैं	वो	असल हैं	किताब की	और दूसरी

مُتَشٰبِهٰتٌ ؕ	فَاَمَّا	الَّذِيْنَ	فِيْ قُلُوْبِهِمْ	زَيْغٌ	فَيَتَّبِعُوْنَ
मुताशाबह/बाहम मिलती जुलती हैं	तो रहे	वो लोग	दिलों में जिनके	टेढ़ है	पस वो पैरवी करते हैं

وقف النبی صلی اللہ علیہ وسلم

مَا	تَشَابَهَ	مِنْهُ	ابْتِغَآءَ	الْفِتْنَةِ	وَابْتِغَآءَ	تَاْوِيْلِهٖ ۚ
उसकी जो	मुताशाबह है	उस में से	चाहने को	फ़ितना	और चाहने को	मतलब उसका

وقف لازم
وقف منزل

وَمَا	يَعْلَمُ	تَاْوِيْلَهٗٓ	اِلَّا	اللّٰهُ ۘ	وَالرّٰسِخُوْنَ	فِي الْعِلْمِ
और नहीं	जानता	मतलब उसका	मगर	अल्लाह	और जो पुख़्ताकार हैं	इल्म में

يَقُوْلُوْنَ	اٰمَنَّا	بِهٖ ۙ	كُلٌّ	مِّنْ عِنْدِ	رَبِّنَا ۚ	وَمَا	يَذَّكَّرُ
वो कहते हैं	ईमान लाए हम	उस पर	सब कुछ	पास से	हमारे रब के	और नहीं	नसीहत पकड़ते

اِلَّآ	اُولُوا الْاَلْبَابِ ⑦	رَبَّنَا	لَا تُزِغْ	قُلُوْبَنَا	بَعْدَ	اِذْ
मगर	अक़्ल वाले	ऐ हमारे रब	ना तू टेढ़ा कर	हमारे दिलों को	बाद इसके के	जब

هَدَيْتَنَا	وَهَبْ	لَنَا	مِنْ لَّدُنْكَ	رَحْمَةً ۚ	اِنَّكَ	اَنْتَ
हिदायत दी तूने हमें	और अता कर	हमारे लिए	अपने पास से	रहमत	बेशक तू	तू ही है

الْوَهَّابُ ⑧	رَبَّنَآ	اِنَّكَ	جَامِعُ	النَّاسِ	لِيَوْمٍ	لَّا رَيْبَ
बहुत अता करने वाला	ऐ हमारे रब	बेशक तू	जमा करने वाला है	लोगों को	एक दिन के लिए	नहीं कोई शक

ع 1 9 9

فِيْهِ ؕ	اِنَّ	اللّٰهَ	لَا يُخْلِفُ	الْمِيْعَادَ ⑨ ع	اِنَّ	الَّذِيْنَ	كَفَرُوْا
जिस में	बेशक	अल्लाह	नहीं ख़िलाफ़ करता	वादे के	बेशक	वो जिन्होंने	कुफ़्र किया

لَنْ	تُغْنِيَ	عَنْهُمْ	اَمْوَالُهُمْ	وَلَآ	اَوْلَادُهُمْ	مِّنَ اللّٰهِ	شَيْـًٔا ؕ
हरगिज़ ना	काम आएंगे	उन्हें	माल उनके	और ना	औलाद उनकी	अल्लाह से	कुछ भी

©AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَاُولٰٓئِكَ	هُمْ	وَقُوْدُ	النَّارِ (10)	كَدَاْبِ	اٰلِ فِرْعَوْنَ	وَالَّذِيْنَ
और यही लोग	वो	ईंधन हैं	आग का	मानिंद हालत	आले फ़िरऔन की	और वो जो

مِنْ قَبْلِهِمْ	كَذَّبُوْا	بِاٰيٰتِنَا	فَاَخَذَهُمُ	اللّٰهُ	بِذُنُوْبِهِمْ
उनसे पहले थे	उन्होंने झुठलाया	हमारी आयात को	तो पकड़ लिया उन्हें	अल्लाह ने	बवजह उनके गुनाहों के

وَاللّٰهُ	شَدِيْدُ	الْعِقَابِ (11)	قُلْ	لِّلَّذِيْنَ	كَفَرُوْا
और अल्लाह	सख़्त	सज़ा वाला है	कह दीजिए	उनको जिन्होंने	कुफ़्र किया

سَتُغْلَبُوْنَ	وَتُحْشَرُوْنَ	اِلٰى جَهَنَّمَ	وَبِئْسَ	الْمِهَادُ (12)
अनक़रीब तुम मग़लूब किए जाओगे	और तुम इकट्ठे किये जाओगे	तरफ़ जहन्नम के	और कितना बुरा है	ठिकाना

قَدْ	كَانَ	لَكُمْ	اٰيَةٌ	فِيْ فِئَتَيْنِ	الْتَقَتَا	فِئَةٌ
तहक़ीक़	है	तुम्हारे लिए	एक निशानी	दो गिरोहों में	जो आमने-सामने हुए	एक गिरोह

تُقَاتِلُ	فِيْ سَبِيْلِ اللّٰهِ	وَاُخْرٰى	كَافِرَةٌ	يَّرَوْنَهُمْ	مِّثْلَيْهِمْ
वो लड़ रहा था	अल्लाह के रास्ते में	और दूसरा	काफ़िर था	वो देख रहे थे उन्हें	दुगना अपने से

رَاْيَ	الْعَيْنِ	وَاللّٰهُ	يُؤَيِّدُ	بِنَصْرِهٖ	مَنْ	يَّشَآءُ	اِنَّ
देखना	आंख का	और अल्लाह	ताईद करता है	अपनी मदद से	जिस की	वो चाहता है	बेशक

فِيْ ذٰلِكَ	لَعِبْرَةً	لِّاُولِي الْاَبْصَارِ (13)	زُيِّنَ	لِلنَّاسِ	حُبُّ
इसमें	अलबत्ता इबरत है	अहले बसीरत के लिए	मुज़य्यन कर दी गई	लोगों के लिए	मुहब्बत

الشَّهَوٰتِ	مِنَ النِّسَآءِ	وَالْبَنِيْنَ	وَالْقَنَاطِيْرِ	الْمُقَنْطَرَةِ
ख़्वाहिशात की	औरतों से	और बेटों से	और ख़ज़ानों से	जो इकट्ठे किए गए

مِنَ الذَّهَبِ	وَالْفِضَّةِ	وَالْخَيْلِ	الْمُسَوَّمَةِ	وَالْاَنْعَامِ
सोने से	और चांदी से	और घोड़े	निशान लगे हुए	और मवेशी जानवर

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَالْحَرْثِ ؕ	ذٰلِكَ	مَتَاعُ	الْحَيٰوةِ	الدُّنْيَا ۚ	وَاللّٰهُ	عِنْدَهٗ	حُسْنُ
और खेती से	ये	सामान है	ज़िंदगी का	दुनिया की	और अल्लाह	उसके पास	अच्छा

الْمَاٰبِ (14)	قُلْ	اَؤُنَبِّئُكُمْ	بِخَيْرٍ	مِّنْ ذٰلِكُمْ ؕ	لِلَّذِيْنَ
ठिकाना है	कह दीजिए	क्या मैं ख़बर दूं तुम्हें	बेहतर की	इससे	उनके लिए जिन्होंने

اتَّقَوْا	عِنْدَ رَبِّهِمْ	جَنّٰتٌ	تَجْرِيْ	مِنْ تَحْتِهَا	الْاَنْهٰرُ
तक़वा किया	उनके रब के पास	बाग़ात हैं	बहती हैं	उनके नीचे से	नहरें

خٰلِدِيْنَ	فِيْهَا	وَاَزْوَاجٌ	مُّطَهَّرَةٌ	وَّرِضْوَانٌ	مِّنَ اللّٰهِ ؕ	وَاللّٰهُ
हमेशा रहने वाले हैं	उनमें	और बीवियाँ	पाकीज़ा	और रज़ामंदी	अल्लाह की तरफ़ से	और अल्लाह

بَصِيْرٌۢ	بِالْعِبَادِ (15) ۚ	اَلَّذِيْنَ	يَقُوْلُوْنَ	رَبَّنَآ	اِنَّنَآ	اٰمَنَّا
ख़ूब देखने वाला है	बंदों को	वो जो	कहते हैं	ऐ हमारे रब	बेशक हम	ईमान लाए हम

فَاغْفِرْ لَنَا	ذُنُوْبَنَا	وَقِنَا	عَذَابَ	النَّارِ (16) ۚ	اَلصّٰبِرِيْنَ
पस बख़्श दे हमारे लिए	हमारे गुनाहों को	और बचा हमें	अज़ाब से	आग के	सब्र करने वाले

وَالصّٰدِقِيْنَ	وَالْقٰنِتِيْنَ	وَالْمُنْفِقِيْنَ	وَالْمُسْتَغْفِرِيْنَ
और सच्चे	और इताअत गुज़ार	और ख़र्च करने वाले	और इस्तग़फ़ार करने वाले

بِالْاَسْحَارِ (17)	شَهِدَ	اللّٰهُ	اَنَّهٗ	لَآ	اِلٰهَ	اِلَّا	هُوَ ۙ
सहरी के वक़्त	गवाही दी	अल्लाह ने	कि बेशक वो	नहीं	कोई इलाह (बरहक़)	मगर	वो ही

وَالْمَلٰٓئِكَةُ	وَاُولُوا الْعِلْمِ	قَآئِمًا	بِالْقِسْطِ ؕ	لَآ	اِلٰهَ	اِلَّا
और फ़रिश्तों ने	और इल्म वालों ने	(इस हाल में कि वो) क़ायम है	इंसाफ़ पर	नहीं	कोई इलाह (बरहक़)	मगर

هُوَ	الْعَزِيْزُ	الْحَكِيْمُ (18) ؕ	اِنَّ	الدِّيْنَ	عِنْدَ اللّٰهِ	الْاِسْلَامُ ۣ قف
वो ही	बहुत ज़बरदस्त है	ख़ूब हिक्मत वाला है	बेशक	दीन	अल्लाह के नज़दीक	इस्लाम है

النصف

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَمَا	اخْتَلَفَ	الَّذِيْنَ	اُوْتُوا	الْكِتٰبَ	اِلَّا	مِنْۢ بَعْدِ	مَا
और नहीं	इख़्तिलाफ़ किया	उन्होंने जो	दिए गए	किताब	मगर	बाद उसके	जो

جَآءَهُمُ	الْعِلْمُ	بَغْيًا	بَيْنَهُمْ ط	وَمَنْ	يَّكْفُرْ	بِاٰيٰتِ	اللّٰهِ
आ गया उनके पास	इल्म	बवजह ज़िद के	आपस में	और जो कोई	कुफ़्र करे	साथ आयात के	अल्लाह की

فَاِنَّ	اللّٰهَ	سَرِيْعُ	الْحِسَابِ (19)	فَاِنْ	حَآجُّوْكَ	فَقُلْ	اَسْلَمْتُ
तो बेशक	अल्लाह	जल्द लेने वाला है	हिसाब	फिर अगर	वो झगड़ा करें आप से	तो कह दीजिए	मैंने सुपुर्द किया

وَجْهِيَ	لِلّٰهِ	وَمَنِ	اتَّبَعَنِ ط	وَقُلْ	لِّلَّذِيْنَ	اُوْتُوا	الْكِتٰبَ
चेहरा अपना	अल्लाह के लिए	और जिसने	इत्तेबा किया मेरा	और कह दीजिए	उनको जो	दिए गए	किताब

وَالْاُمِّيّٖنَ	ءَاَسْلَمْتُمْ ط	فَاِنْ	اَسْلَمُوْا	فَقَدِ	اهْتَدَوْا ج	وَاِنْ
और उम्मियों/अनपढ़ों को	क्या इस्लाम लाए तुम	फिर अगर	वो इस्लाम ले आएं	तो तहक़ीक़	वो हिदायत पा गए	और अगर

تَوَلَّوْا	فَاِنَّمَا	عَلَيْكَ	الْبَلٰغُ ط	وَاللّٰهُ	بَصِيْرٌۢ	بِالْعِبَادِ (20) ع
वो मुंह मोड़ जाएं	तो बेशक	आप पर है	पहुंचा देना	और अल्लाह	खूब देखने वाला है	बंदो को

ع 2 11 10

اِنَّ	الَّذِيْنَ	يَكْفُرُوْنَ	بِاٰيٰتِ	اللّٰهِ	وَيَقْتُلُوْنَ	النَّبِيّٖنَ
बेशक	वो जो	कुफ़्र करते हैं	साथ आयात के	अल्लाह की	और वो क़त्ल करते हैं	नबियों को

بِغَيْرِ	حَقٍّ لا	وَّيَقْتُلُوْنَ	الَّذِيْنَ	يَاْمُرُوْنَ	بِالْقِسْطِ	مِنَ النَّاسِ لا
बग़ैर	हक़ के	और वो क़त्ल करते हैं	उनको जो	हुक्म देते हैं	इंसाफ़ का	लोगों में से

فَبَشِّرْهُمْ	بِعَذَابٍ	اَلِيْمٍ (21)	اُولٰٓئِكَ	الَّذِيْنَ	حَبِطَتْ
तो खुशख़बरी दे दीजिए उन्हें	अज़ाब	दर्दनाक की	यही लोग हैं	वो जो	ज़ाया हो गए

اَعْمَالُهُمْ	فِي الدُّنْيَا	وَالْاٰخِرَةِ ز	وَمَا	لَهُمْ	مِّنْ نّٰصِرِيْنَ (22)
आमाल उनके	दुनिया में	और आख़िरत में	और नहीं	उनके लिए	मददगारों में से कोई

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

يُدْعَوْنَ	مِّنَ الْكِتٰبِ	نَصِيْبًا	اُوْتُوْا	اِلَى الَّذِيْنَ	تَرَ	اَلَمْ
वो बुलाए जाते हैं	किताब में से	एक हिस्सा	दिए गए	तरफ़ उनके जो	आप ने देखा	क्या नहीं

مِّنْهُمْ	فَرِيْقٌ	يَتَوَلّٰى	ثُمَّ	بَيْنَهُمْ	لِيَحْكُمَ	كِتٰبِ اللّٰهِ	اِلٰى
उनमें से	एक गिरोह	मुंह फेर लेता है	फिर	दर्मियान उनके	ताकि वो फ़ैसला करे	अल्लाह की किताब के	तरफ़

تَمَسَّنَا	لَنْ	قَالُوْا	بِاَنَّهُمْ	ذٰلِكَ	مُّعْرِضُوْنَ (23)	وَهُمْ
छुएगी हमें	हरगिज़ ना	कहते हैं	बवजह उसके कि वो	ये	ऐराज़ करने वाले हैं	और वो

فِيْ دِيْنِهِمْ	وَغَرَّهُمْ	مَّعْدُوْدٰتٍ ۖ	اَيَّامًا	اِلَّآ	النَّارُ
उनके दीन (के बारे) में	और धोखे में डाल दिया उन्हें	गिने-चुने	दिन	मगर	आग

لِيَوْمٍ	جَمَعْنٰهُمْ	اِذَا	فَكَيْفَ	يَفْتَرُوْنَ (24)	كَانُوْا	مَّا
उस दिन के लिए	जमा करेंगे हम उन्हें	जब	तो कैसा (होगा हाल)	वो घढ़ते	थे वो	जो

كَسَبَتْ	مَّا	نَفْسٍ	كُلُّ	وَوُفِّيَتْ	فِيْهِ قف	لَّا رَيْبَ
उसने कमाई की	जो	नफ़्स को	हर	और पूरी-पूरी दे दी जाएगी	उसमें	नहीं कोई शक

تُؤْتِي	الْمُلْكِ	مٰلِكَ	اللّٰهُمَّ	قُلِ	لَا يُظْلَمُوْنَ (25)	وَهُمْ
तू देता है	बादशाहत के	ऐ मालिक	ऐ अल्लाह	कह दीजिए	ना वो ज़ुल्म किए जाएंगे	और वो

وَتُعِزُّ	تَشَآءُ ز	مِمَّنْ	الْمُلْكَ	وَتَنْزِعُ	تَشَآءُ	مَنْ	الْمُلْكَ
और तू इज़्ज़त देता है	तू चाहता है	जिससे	बादशाहत	और छीन लेता है	तू चाहता है	जिसे	बादशाहत

اِنَّكَ	الْخَيْرُ ؕ	بِيَدِكَ	تَشَآءُ ؕ	مَنْ	وَتُذِلُّ	تَشَآءُ	مَنْ
बेशक तू	भलाई है	तेरे हाथ में	तू चाहता है	जिसे	और तू ज़िल्लत देता है	तू चाहता है	जिसे

وَتُوْلِجُ	فِي النَّهَارِ	الَّيْلَ	تُوْلِجُ	قَدِيْرٌ (26)	شَيْءٍ	كُلِّ	عَلٰى
और तू दाख़िल करता है	दिन में	रात को	तू दाख़िल करता है	बहुत क़ादिर है	चीज़ के	हर	ऊपर

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

النَّهَارَ	فِي الَّيْلِ	وَتُخْرِجُ	الْحَيَّ	مِنَ الْمَيِّتِ	وَتُخْرِجُ	الْمَيِّتَ
दिन को	रात में	और तू निकालता है	ज़िंदा को	मुर्दा से	और तू निकालता है	मुर्दा को

مِنَ الْحَيِّ	وَتَرْزُقُ	مَنْ	تَشَآءُ	بِغَيْرِ	حِسَابٍ (27)	لَا يَتَّخِذِ
जिंदा से	और तू रिज़्क़ देता है	जिसे	तू चाहता है	बग़ैर	हिसाब के	ना बनाएं

الْمُؤْمِنُوْنَ	الْكٰفِرِيْنَ	اَوْلِيَآءَ	مِنْ دُوْنِ	الْمُؤْمِنِيْنَ	وَمَنْ	يَّفْعَلْ
मोमिन	काफ़िरों को	दोस्त	सिवाए	मोमिनों के	और जो कोई	करेगा

ذٰلِكَ	فَلَيْسَ	مِنَ اللّٰهِ	فِيْ شَيْءٍ	اِلَّآ	اَنْ	تَتَّقُوْا	مِنْهُمْ
ऐसा	तो नहीं वो	अल्लाह से	किसी चीज़ में	मगर	ये कि	तुम बचो	उनसे

تُقٰىةً	وَيُحَذِّرُكُمُ	اللّٰهُ	نَفْسَهٗ	وَاِلَى اللّٰهِ	الْمَصِيْرُ (28)	قُلْ
बचना	और डराता है तुम्हें	अल्लाह	अपनी ज़ात से	और तरफ़ अल्लाह ही के	पलटना है	कह दीजिए

اِنْ	تُخْفُوْا	مَا	فِيْ صُدُوْرِكُمْ	اَوْ	تُبْدُوْهُ	يَعْلَمْهُ	اللّٰهُ
अगर	तुम छुपाओ	जो	तुम्हारे सीनों में है	या	तुम ज़ाहिर करो उसे	जानता है उसे	अल्लाह

وَيَعْلَمُ	مَا	فِي السَّمٰوٰتِ	وَمَا	فِي الْاَرْضِ	وَاللّٰهُ	عَلٰى	كُلِّ
और वो जानता है	जो	आसमानों में है	और जो	ज़मीन में है	और अल्लाह	ऊपर	हर

شَيْءٍ	قَدِيْرٌ (29)	يَوْمَ	تَجِدُ	كُلُّ	نَفْسٍ	مَّا	عَمِلَتْ
चीज़ के	बहुत क़ुदरत रखने वाला है	जिस दिन	पा लेगा	हर	नफ़्स	जो	उसने अमल किया

مِنْ خَيْرٍ	مُّحْضَرًا	وَّمَا	عَمِلَتْ	مِنْ سُوْٓءٍ	تَوَدُّ	لَوْ
नेकी में से	हाज़िर किया हुआ	और जो	उस ने अमल किया	बुराई में से	वो चाहेगा	काश

اَنَّ	بَيْنَهَا	وَبَيْنَهٗ	اَمَدًا	بَعِيْدًا	وَيُحَذِّرُكُمُ	اللّٰهُ
बेशक	दर्मियान उसके	और दर्मियान उस की (बुराई) के	फ़ासला होता	दूर का	और डराता है तुम्हें	अल्लाह

معانقة 4

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

ع 3 10 11

تُحِبُّوْنَ	كُنْتُمْ	اِنْ	قُلْ	بِالْعِبَادِ ۝30 ع	رَءُوْفٌۢ	وَاللّٰهُ	نَفْسَهٗ ؕ
तुम मुहब्बत करते	हो तुम	अगर	कह दीजिए	बंदों पर	बहुत शफ़ीक़ है	और अल्लाह	अपनी ज़ात से

ذُنُوْبَكُمْ ؕ	لَكُمْ	وَيَغْفِرْ	اللّٰهُ	يُحْبِبْكُمُ	فَاتَّبِعُوْنِيْ	اللّٰهَ
तुम्हारे गुनाहों को	तुम्हारे लिए	और वो बख़्श देगा	अल्लाह	मुहब्बत करेगा तुमसे	तो पैरवी करो मेरी	अल्लाह से

وَالرَّسُوْلَ ج	اللّٰهَ	اَطِيْعُوا	قُلْ	رَّحِيْمٌ ۝31	غَفُوْرٌ	وَاللّٰهُ
और रसूल की	अल्लाह की	इताअत करो	कह दीजिए	निहायत रहम करने वाला है	बहुत बख़्शने वाला है	और अल्लाह

اللّٰهَ	اِنَّ	الْكٰفِرِيْنَ ۝32	لَا يُحِبُّ	اللّٰهَ	فَاِنَّ	تَوَلَّوْا	فَاِنْ
अल्लाह ने	बेशक	काफ़िरों से	नहीं वो मुहब्बत करता	अल्लाह	तो बेशक	वो मुंह फेर जाएं	फिर अगर

عَلَى الْعٰلَمِيْنَ ۝33 لا	وَاٰلَ عِمْرٰنَ	وَّاٰلَ اِبْرٰهِيْمَ	وَنُوْحًا	اٰدَمَ	اصْطَفٰٓى
तमाम जहान वालों पर	और आले इमरान को	और आले इब्राहीम	और नूह	आदम	चुन लिया

اِذْ	عَلِيْمٌ ۝34 ج	سَمِيْعٌ	وَاللّٰهُ	مِنْۢ بَعْضٍ ؕ	بَعْضُهَا	ذُرِّيَّةًۢ
जब	ख़ूब जानने वाला है	ख़ूब सुनने वाला है	और अल्लाह	बाज़ की	बाज़ उनके	औलाद हैं

مَا	لَكَ	نَذَرْتُ	اِنِّيْ	رَبِّ	عِمْرٰنَ	امْرَاَتُ	قَالَتِ
जो	तेरे लिए	नज़र किया मैं ने	बेशक मैं	ऐ मेरे रब	इमरान की	बीवी	कहने लगी

السَّمِيْعُ	اَنْتَ	اِنَّكَ	مِنِّيْ ج	فَتَقَبَّلْ	مُحَرَّرًا	فِيْ بَطْنِيْ
ख़ूब सुनने वाला	तू ही है	बेशक तू	मुझसे	पस तू क़ुबूल कर ले	आज़ाद	मेरे पेट में है

وَضَعْتُهَآ	اِنِّيْ	رَبِّ	قَالَتْ	وَضَعَتْهَا	فَلَمَّا	الْعَلِيْمُ ۝35
जन्म दिया है मैंने उसे	बेशक मैं	ऐ मेरे रब	कहने लगी	उसने जन्म दिया उसे	फिर जब	ख़ूब जानने वाला

الذَّكَرُ	وَلَيْسَ	وَضَعَتْ ؕ	بِمَا	اَعْلَمُ	وَاللّٰهُ	اُنْثٰى ؕ
लड़का	और नहीं है	उसने जन्म दिया	उसे जो	ज़्यादा जानता है	और अल्लाह	लड़की

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

كَالْاُنْثٰى ج	وَاِنِّيْ	سَمَّيْتُهَا	مَرْيَمَ	وَاِنِّيْٓ	اُعِيْذُهَا
लड़की की तरह	और बेशक मैं	नाम रखा है मैंने उसका	मरयम	और बेशक मैं	मैं पनाह में देती हूं उसे

بِكَ	وَذُرِّيَّتَهَا	مِنَ الشَّيْطٰنِ	الرَّجِيْمِ (36)	فَتَقَبَّلَهَا	رَبُّهَا
तेरी	और उसकी औलाद को	शैतान से	जो मरदूद है	तो क़ुबूल कर लिया उसे	उसके रब ने

بِقَبُوْلٍ	حَسَنٍ	وَّاَنْۢبَتَهَا	نَبَاتًا	حَسَنًا لا	وَّكَفَّلَهَا	زَكَرِيَّا ج
क़ुबूल करना	अच्छा	और परवरिश की उसकी	परवरिश	अच्छी	और कफ़ील बनाया उसका	ज़करिया को

كُلَّمَا	دَخَلَ	عَلَيْهَا	زَكَرِيَّا	الْمِحْرَابَ لا	وَجَدَ	عِنْدَهَا
जब कभी	दाख़िल होता	उस पर	ज़करिया	मेहराब में	वो पाता	पास उसके

رِزْقًا ج	قَالَ	يٰمَرْيَمُ	اَنّٰى	لَكِ	هٰذَا ط	قَالَتْ	هُوَ
कोई रिज़्क़	वो कहता	ऐ मरयम	कहां से है	तेरे लिए	ये	वो कहती	वो

مِنْ عِنْدِ اللّٰهِ ط	اِنَّ	اللّٰهَ	يَرْزُقُ	مَنْ	يَّشَآءُ	بِغَيْرِ
अल्लाह के पास से है	बेशक	अल्लाह	रिज़्क़ देता है	जिसे	वो चाहता है	बग़ैर

حِسَابٍ (37)	هُنَالِكَ	دَعَا	زَكَرِيَّا	رَبَّهٗ ج	قَالَ	رَبِّ	هَبْ
हिसाब के	उसी जगह / वक़्त	दुआ मांगी	ज़करिया ने	अपने रब से	कहा	ऐ मेरे रब	अता कर

لِيْ	مِنْ لَّدُنْكَ	ذُرِّيَّةً	طَيِّبَةً ج	اِنَّكَ	سَمِيْعُ	الدُّعَآءِ (38)
मुझे	अपने पास से	औलाद	पाकीज़ा	बेशक तू	ख़ूब सुनने वाला है	दुआ का

فَنَادَتْهُ	الْمَلٰٓئِكَةُ	وَهُوَ	قَآئِمٌ	يُّصَلِّيْ	فِي الْمِحْرَابِ لا	اَنَّ
पस पुकारा उसे	फ़रिश्तों ने	जब कि वो	खड़ा	नमाज़ पढ़ रहा था	मेहराब में	बेशक

اللّٰهَ	يُبَشِّرُكَ	بِيَحْيٰى	مُصَدِّقًا	بِكَلِمَةٍ	مِّنَ اللّٰهِ	وَسَيِّدًا
अल्लाह	ख़ुशख़बरी देता है तुझे	याहिया की	तस्दीक़ करने वाला	एक कलिमे की	अल्लाह की तरफ़ से	और सरदार

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَّحَصُوْرًا	وَّنَبِيًّا	مِّنَ الصّٰلِحِيْنَ ﴿39﴾	قَالَ	رَبِّ	اَنّٰى
और पाक बाज़	और नबी होगा	नेक लोगों में से	उस ने कहा	ऐ मेरे रब	कैसे

يَكُوْنُ	لِيْ	غُلٰمٌ	وَّقَدْ	بَلَغَنِيَ	الْكِبَرُ	وَامْرَاَتِيْ	عَاقِرٌ ؕ
होगा	मेरे लिए	लड़का	हालांकि तहक़ीक़	पहुंचा मुझे	बुढ़ापा	और बीवी मेरी	बांझ है

قَالَ	كَذٰلِكَ	اللّٰهُ	يَفْعَلُ	مَا	يَشَآءُ ﴿40﴾	قَالَ	رَبِّ
उसने कहा	इसी तरह	अल्लाह	करता है	जो	वो चाहता है	उसने कहा	ऐ मेरे रब

اجْعَلْ	لِّيْۤ	اٰيَةً ؕ	قَالَ	اٰيَتُكَ	اَلَّا	تُكَلِّمَ	النَّاسَ
बना	मेरे लिए	कोई निशानी	कहा	निशानी तेरी	ये है कि नहीं	तुम कलाम करोगे	लोगों से

ثَلٰثَةَ	اَيَّامٍ	اِلَّا	رَمْزًا ؕ	وَاذْكُرْ	رَّبَّكَ	كَثِيْرًا	وَّسَبِّحْ
तीन	दिन	मगर	इशारे से	और तुम याद करो	अपने रब को	बहुत ज़्यादा	और तस्बीह करो

4 ع 11 12

بِالْعَشِيِّ	وَالْاِبْكَارِ ﴿41﴾ ع	وَاِذْ	قَالَتِ	الْمَلٰٓئِكَةُ	يٰمَرْيَمُ	اِنَّ
शाम के वक़्त	और सुबह के वक़्त	और जब	कहा	फ़रिश्तों ने	ऐ मरयम	बेशक

اللّٰهَ	اصْطَفٰىكِ	وَطَهَّرَكِ	وَاصْطَفٰىكِ	عَلٰى نِسَآءِ	الْعٰلَمِيْنَ ﴿42﴾
अल्लाह ने	चुन लिया तुझे	और पाक किया तुझे	और चुन लिया तुझे	औरतों पर	तमाम जहान की

يٰمَرْيَمُ	اقْنُتِيْ	لِرَبِّكِ	وَاسْجُدِيْ	وَارْكَعِيْ	مَعَ الرّٰكِعِيْنَ ﴿43﴾
ऐ मरियम	हमेशा इताअत कर	अपने रब की	और सज्दा कर	और रुकूअ कर	साथ रुकूअ करने वालों के

ذٰلِكَ	مِنْ اَنْۢبَآءِ	الْغَيْبِ	نُوْحِيْهِ	اِلَيْكَ ؕ	وَمَا	كُنْتَ
ये	कुछ ख़बरें हैं	ग़ैब की	हम वही करतें हैं उसे	तरफ़ आप के	और ना	थे आप

لَدَيْهِمْ	اِذْ	يُلْقُوْنَ	اَقْلَامَهُمْ	اَيُّهُمْ	يَكْفُلُ	مَرْيَمَ ۪
पास उनके	जब	वो डाल रहे थे	क़लमें अपनी	कौन उन में से	कफ़ालत करेगा	मरियम की

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَمَا	كُنْتَ	لَدَيْهِمْ	اِذْ	يَخْتَصِمُوْنَ ﴿44﴾	اِذْ	قَالَتِ	الْمَلٰٓئِكَةُ
और ना	थे आप	पास उनके	जब	वो झगड़ रहे थे	जब	कहा	फ़रिश्तों ने

يٰمَرْيَمُ	اِنَّ	اللّٰهَ	يُبَشِّرُكِ	بِكَلِمَةٍ	مِّنْهُ ۖ	اسْمُهُ
ऐ मरियम	बेशक	अल्लाह	खुशख़बरी देता है तुझे	एक कलिमे की	अपनी तरफ़ से	नाम उसका होगा

الْمَسِيْحُ	عِيْسَى ابْنُ مَرْيَمَ	وَجِيْهًا	فِي الدُّنْيَا	وَالْاٰخِرَةِ
मसीह	ईसा इबने मरियम	बहुत मर्तबे वाला	दुनिया में	और आख़िरत में

وَمِنَ الْمُقَرَّبِيْنَ ﴿45﴾ لا	وَيُكَلِّمُ	النَّاسَ	فِي الْمَهْدِ	وَكَهْلًا
और मुक़र्रब बंदों में से होगा	और वो कलाम करेगा	लोगों से	पंघोड़े में	और पुख़्ता उम्र में

وَّمِنَ الصّٰلِحِيْنَ ﴿46﴾	قَالَتْ	رَبِّ	اَنّٰى	يَكُوْنُ	لِيْ	وَلَدٌ
और सालेह लोगों में से होगा	उसने कहा	ऐ मेरे रब	किस तरह	होगा	मेरे लिए	कोई बच्चा

وَّلَمْ	يَمْسَسْنِيْ	بَشَرٌ ط	قَالَ	كَذٰلِكِ	اللّٰهُ	يَخْلُقُ	مَا
हालांकि नहीं	छुआ मुझे	किसी इंसान ने	फ़रमाया	इसी तरह	अल्लाह	पैदा करता है	जो

يَشَآءُ ط	اِذَا	قَضٰٓى	اَمْرًا	فَاِنَّمَا	يَقُوْلُ	لَهٗ	كُنْ	فَيَكُوْنُ ﴿47﴾
वो चाहता है	जब	वो फ़ैसला कर लेता है	किसी काम का	तो बेशक	वो कहता है	उसे	हो जा	तो वो हो जाता है

وَيُعَلِّمُهُ	الْكِتٰبَ	وَالْحِكْمَةَ	وَالتَّوْرٰىةَ	وَالْاِنْجِيْلَ ﴿48﴾ ج	وَرَسُوْلًا
और वो तालीम देगा उसे	किताब	और हिक्मत	और तौरात	और इंजील की	और रसूल होगा

اِلٰى	بَنِيْٓ اِسْرَآءِيْلَ ۙ	اَنِّيْ	قَدْ	جِئْتُكُمْ	بِاٰيَةٍ	مِّنْ رَّبِّكُمْ ۙ
तरफ़	बनी इस्राईल के	बेशक मैं	तहक़ीक़	मैं लाया हूं तुम्हारे पास	एक निशानी	तुम्हारे रब की तरफ़ से

اَنِّيْٓ	اَخْلُقُ	لَكُمْ	مِّنَ الطِّيْنِ	كَهَيْـَٔةِ	الطَّيْرِ	فَاَنْفُخُ
बेशक मैं	मैं बना देता हूं	तुम्हारे लिए	मिट्टी से	मानिंद शकल	परिंदे की	फिर मैं फूंक मारता हूं

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

فِيهِ	فَيَكُونُ	طَيْرًا	بِإِذْنِ اللّٰهِ ۚ	وَأُبْرِئُ	الْأَكْمَهَ	وَالْأَبْرَصَ
उस में	तो वो हो जाता है	एक परिंदा	अल्लाह के इज़्न से	और मैं अच्छा कर देता हूं	पैदाइशी अंधे को	और बरस वाले को

وَأُحْيِ	الْمَوْتٰى	بِإِذْنِ اللّٰهِ ۚ	وَأُنَبِّئُكُمْ	بِمَا	تَأْكُلُونَ
और मैं जिंदा कर देता हूं	मुर्दों को	अल्लाह के इज़्न से	और मैं ख़बर देता हूं तुम्हें	उसकी जो	तुम खाते हो

وَمَا	تَدَّخِرُونَ ۙ	فِي بُيُوتِكُمْ ۗ	إِنَّ	فِي ذٰلِكَ	لَاٰيَةً	لَّكُمْ
और जो	तुम ज़ख़ीरा करते हो	अपने घरों में	बेशक	उसमें	अलबत्ता एक निशानी है	तुम्हारे लिए

إِنْ	كُنْتُمْ	مُّؤْمِنِينَ ۚ (49)	وَمُصَدِّقًا	لِّمَا	بَيْنَ يَدَيَّ
अगर	हो तुम	ईमान लाने वाले	और तस्दीक़ करने वाला हूं	उसकी जो	मेरे सामने है

مِنَ التَّوْرٰىةِ	وَلِأُحِلَّ	لَكُمْ	بَعْضَ	الَّذِي	حُرِّمَ	عَلَيْكُمْ
तौरात में से	और ताकि मैं हलाल कर दूं	तुम्हारे लिए	बाज़	वो चीज़ जो	हराम की गई	तुम पर

وَجِئْتُكُمْ	بِاٰيَةٍ	مِّنْ رَّبِّكُمْ ۚ قف	فَاتَّقُوا	اللّٰهَ	وَأَطِيعُونِ (50)
और लाया हूं मैं तुम्हारे पास	एक निशानी	तुम्हारे रब की तरफ़ से	पस डरो	अल्लाह से	और इताअत करो मेरी

إِنَّ	اللّٰهَ	رَبِّي	وَرَبُّكُمْ	فَاعْبُدُوهُ ۗ	هٰذَا	صِرَاطٌ	مُّسْتَقِيمٌ (51)
बेशक	अल्लाह	रब है मेरा	और रब तुम्हारा	पस इबादत करो उसकी	ये	रास्ता है	सीधा

فَلَمَّآ	أَحَسَّ	عِيسٰى	مِنْهُمُ	الْكُفْرَ	قَالَ	مَنْ	أَنْصَارِيٓ
फिर जब	महसूस किया	ईसा ने	उन से	कुफ़्र को	कहा	कौन हैं	मददगार मेरे

إِلَى اللّٰهِ ۗ	قَالَ	الْحَوَارِيُّونَ	نَحْنُ	أَنْصَارُ	اللّٰهِ ۚ	اٰمَنَّا	بِاللّٰهِ ۚ
तरफ़ अल्लाह के	कहा	हवारियों ने	हम हैं	मददगार	अल्लाह के	हम ईमान लाए	अल्लाह पर

وَاشْهَدْ	بِأَنَّا	مُسْلِمُونَ (52)	رَبَّنَآ	اٰمَنَّا	بِمَآ	أَنْزَلْتَ
और गवाह रह	बेशक हम	मुसलमान हैं	ऐ हमारे रब	ईमान लाए हम	उस पर जो	नाज़िल किया गया

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَمَكَرَ	وَمَكَرُوْا	الشّٰهِدِيْنَ ﴿53﴾	مَعَ	فَاكْتُبْنَا	الرَّسُوْلَ	وَاتَّبَعْنَا
और ख़ुफ़िया तदबीर की	और उन्होंने चाल चली	गवाहों के	साथ	पस लिख ले हमें	रसूल की	और पैरवी की हमने

ع 5 13 13

يٰعِيْسٰٓى	اللّٰهُ	قَالَ	اِذْ	الْمٰكِرِيْنَ ﴿54﴾ ع	خَيْرُ	وَاللّٰهُ	اللّٰهُ ط
ऐ ईसा	अल्लाह ने	फ़रमाया	जब	ख़ुफ़िया तदबीर करने वालों में	बेहतरीन है	और अल्लाह	अल्लाह ने

مِنَ الَّذِيْنَ	وَمُطَهِّرُكَ	اِلَيَّ	وَرَافِعُكَ	مُتَوَفِّيْكَ	اِنِّيْ
उनसे जिन्होंने	और पाक करने वाला हूं तुझे	तरफ़ अपने	और उठा लेने वाला हूं	पूरा-पूरा लेने वाला हूं तुझे	बेशक मैं

كَفَرُوْٓا	الَّذِيْنَ	فَوْقَ	اتَّبَعُوْكَ	الَّذِيْنَ	وَجَاعِلُ	كَفَرُوْا
कुफ़्र किया	उनके जिन्होंने	ऊपर	पैरवी की तेरी	उनको जिन्होंने	और बनाने वाला हूं	कुफ़्र किया

بَيْنَكُمْ	فَاَحْكُمُ	مَرْجِعُكُمْ	اِلَيَّ	ثُمَّ	اِلٰى يَوْمِ الْقِيٰمَةِ ج
दर्मियान तुम्हारे	तो मैं फैसला करूंगा	लौटना है तुम्हारा	तरफ़ मेरे ही	फिर	क़यामत के दिन तक

كَفَرُوْا	الَّذِيْنَ	فَاَمَّا	تَخْتَلِفُوْنَ ﴿55﴾	فِيْهِ	كُنْتُمْ	فِيْمَا
कुफ़्र किया	वो जिन्होंने	तो रहे	तुम इख़्तिलाफ़ करते	जिसमें	थे तुम	उसमें जो

لَهُمْ	وَمَا	وَالْاٰخِرَةِ ز	فِي الدُّنْيَا	شَدِيْدًا	عَذَابًا	فَاُعَذِّبُهُمْ
उनके लिए	और नहीं होगा	और आख़िरत में	दुनिया में	सख़्त	अज़ाब	तो मैं अज़ाब दूंगा उन्हें

الصّٰلِحٰتِ	وَعَمِلُوا	اٰمَنُوْا	الَّذِيْنَ	وَاَمَّا	مِّنْ نّٰصِرِيْنَ ﴿56﴾
नेक	और उन्होंने अमल किए	ईमान लाए	वो जो	और रहे	मददगारों में से कोई

ذٰلِكَ	الظّٰلِمِيْنَ ﴿57﴾	لَا يُحِبُّ	وَاللّٰهُ	اُجُوْرَهُمْ ط	فَيُوَفِّيْهِمْ
ये	ज़ालिमों से	नहीं वो मुहब्बत रखता	और अल्लाह	अज्र उनके	तो वो पूरे-पूरे देगा उन्हें

مَثَلَ	اِنَّ	الْحَكِيْمِ ﴿58﴾	وَالذِّكْرِ	مِنَ الْاٰيٰتِ	عَلَيْكَ	نَتْلُوْهُ
मिसाल	बेशक	बहुत हिकमत वाला	और ज़िक्र से	आयात में से	आप पर	हम तिलावत कर रहे हैं उसे

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

عِيْسٰى	عِنْدَ اللّٰهِ	كَمَثَلِ	اٰدَمَ ؕ	خَلَقَهٗ	مِنْ تُرَابٍ	ثُمَّ	قَالَ
ईसा की	अल्लाह के नज़दीक	मानिंद मिसाल	आदम के है	उस ने पैदा किया उसे	मिट्टी से	फिर	फ़रमाया

لَهٗ	كُنْ	فَيَكُوْنُ (59)	اَلْحَقُّ	مِنْ رَّبِّكَ	فَلَا	تَكُنْ
उसे	हो जा	तो वो हो गया	हक़	आप के रब की तरफ़ से	तो ना	आप हों

مِّنَ الْمُمْتَرِيْنَ (60)	فَمَنْ	حَآجَّكَ	فِيْهِ	مِنْۢ بَعْدِ	مَا
शक करने वालों में से	तो जो कोई	झगड़ा करे आपसे	उसमें	बाद उसके	जो

جَآءَكَ	مِنَ الْعِلْمِ	فَقُلْ	تَعَالَوْا	نَدْعُ	اَبْنَآءَنَا	وَاَبْنَآءَكُمْ
आ गया आप के पास	इल्म में से	तो कह दीजिए	आओ	हम बुलाते हैं	अपने बेटों को	और तुम्हारे बेटों को

وَنِسَآءَنَا	وَنِسَآءَكُمْ	وَاَنْفُسَنَا	وَاَنْفُسَكُمْ قف	ثُمَّ	نَبْتَهِلْ
और अपनी औरतों को	और तुम्हारी औरतों को	और हम ख़ुद	और तुम ख़ुद	फिर	हम गिड़-गिड़ा कर दुआ करें

فَنَجْعَلْ	لَّعْنَتَ	اللّٰهِ	عَلَى الْكٰذِبِيْنَ (61)	اِنَّ	هٰذَا	لَهُوَ
फिर हम करें	लानत	अल्लाह की	झूठों पर	बेशक	ये	अलबत्ता वो

الْقَصَصُ	الْحَقُّ ج	وَمَا	مِنْ اِلٰهٍ	اِلَّا	اللّٰهُ ؕ	وَاِنَّ	اللّٰهَ
क़िस्से हैं	जो सच्चे हैं	और नहीं	कोई इलाह (बरहक़)	सिवाए	अल्लाह के	और बेशक	अल्लाह

لَهُوَ	الْعَزِيْزُ	الْحَكِيْمُ (62)	فَاِنْ	تَوَلَّوْا	فَاِنَّ	اللّٰهَ	عَلِيْمٌۢ
अलबत्ता वो	बहुत ज़बरदस्त है	ख़ूब हिक्मत वाला है	फिर अगर	वो मुंह फेर जाऐं	तो बेशक	अल्लाह	ख़ूब जानने वाला है

ع 6 9 14

بِالْمُفْسِدِيْنَ (63) ع	قُلْ	يٰۤاَهْلَ الْكِتٰبِ	تَعَالَوْا	اِلٰى كَلِمَةٍ	سَوَآءٍۢ
फ़साद करने वालों को	कह दीजिए	ऐ अहले किताब	आओ	तरफ़ एक कलमे के	जो बराबर है

بَيْنَنَا	وَبَيْنَكُمْ	اَلَّا	نَعْبُدَ	اِلَّا	اللّٰهَ	وَلَا	نُشْرِكَ	بِهٖ
हमारे दर्मियान	और तुम्हारे दर्मियान	कि ना	हम इबादत करें	मगर	अल्लाह की	और ना	हम शरीक करें	साथ उस के

© AL-HUDA INTERNATIONL WELFARE FOUNDATION

شَيْـًٔا	وَّلَا	يَتَّخِذَ	بَعْضُنَا	بَعْضًا	اَرْبَابًا	مِّنْ دُوْنِ	اللّٰهِ ؕ
किसी चीज़ को	और ना	बनाए	बाज़ हमारा	बाज़ को	(मुख़्तलिफ़) रब	सिवाए	अल्लाह के

فَاِنْ	تَوَلَّوْا	فَقُوْلُوا	اشْهَدُوْا	بِاَنَّا	مُسْلِمُوْنَ (64)
फिर अगर	वो मुंह फेर जाएं	तो कह दो	गवाह रहो	कि बेशक हम तो	फ़रमांबरदार हैं

يٰۤاَهْلَ الْكِتٰبِ	لِمَ	تُحَآجُّوْنَ	فِيْۤ اِبْرٰهِيْمَ	وَمَاۤ	اُنْزِلَتِ
ऐ अहले किताब	क्यों	तुम झगड़ा करते हो	इब्राहीम के बारे में	हालांकि नहीं	उतारी गई

التَّوْرٰىةُ	وَالْاِنْجِيْلُ	اِلَّا	مِنْۢ بَعْدِهٖ ؕ	اَفَلَا	تَعْقِلُوْنَ (65)	هٰۤاَنْتُمْ
तौरात	और इंजील	मगर	बाद उसके	क्या भला नहीं	तुम अक़्ल रखते	हां तुम

هٰۤؤُلَآءِ	حَاجَجْتُمْ	فِيْمَا	لَكُمْ	بِهٖ	عِلْمٌ	فَلِمَ
वो लोग हो	झगड़ा किया तुमने	उस मामले में जो है	तुम्हारे लिए	जिसका	कुछ इल्म	तो क्यों

تُحَآجُّوْنَ	فِيْمَا	لَيْسَ	لَكُمْ	بِهٖ	عِلْمٌ ؕ	وَاللّٰهُ	يَعْلَمُ
तुम झगड़ते हो	उस मामले में जो	नहीं है	तुम्हारे लिए	जिसका	कोई इल्म	और अल्लाह	जानता है

وَاَنْتُمْ	لَا تَعْلَمُوْنَ (66)	مَا	كَانَ	اِبْرٰهِيْمُ	يَهُوْدِيًّا	وَّلَا
और तुम	नहीं तुम जानते	ना	था	इब्राहीम	यहूदी	और ना

نَصْرَانِيًّا	وَّلٰكِنْ	كَانَ	حَنِيْفًا	مُّسْلِمًا ؕ	وَمَا	كَانَ
नस्रानी	और लेकिन	था वो	यक़सू	मुसलमान	और ना	था वो

مِنَ الْمُشْرِكِيْنَ (67)	اِنَّ	اَوْلَى	النَّاسِ	بِاِبْرٰهِيْمَ	لَلَّذِيْنَ
मुशरिकों में से	बेशक	क़रीबतर	लोगों में से	इब्राहीम के	अलबत्ता वो हैं जिन्होंने

اتَّبَعُوْهُ	وَهٰذَا	النَّبِيُّ	وَالَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا ؕ	وَاللّٰهُ	وَلِيُّ
पैरवी की उसकी	और ये	नबी	और वो जो	ईमान लाए	और अल्लाह	दोस्त है

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

يُضِلُّوْنَكُمْ ؕ	لَوْ	مِّنْ اَهْلِ الْكِتٰبِ	طَّآئِفَةٌ	وَدَّتْ	الْمُؤْمِنِيْنَ (68)
वो गुमराह कर दें तुम्हें	काश	अहले किताब में से	एक गिरोह ने	चाहा	मोमिनों का

يٰٓاَهْلَ الْكِتٰبِ	يَشْعُرُوْنَ (69)	وَمَا	اَنْفُسَهُمْ	اِلَّآ	يُضِلُّوْنَ	وَمَا
ऐ अहले किताब	वो शऊर रखते	और नहीं	अपने नफ़्सों को	मगर	वो गुमराह करते	और नहीं

يٰٓاَهْلَ الْكِتٰبِ	تَشْهَدُوْنَ (70)	وَاَنْتُمْ	بِاٰيٰتِ اللّٰهِ	تَكْفُرُوْنَ	لِمَ
ऐ अहले किताब	तुम गवाह हो	हालांकि तुम	अल्लाह की आयात का	तुम कुफ़्र करते हो	क्यों

وَاَنْتُمْ	الْحَقَّ	وَتَكْتُمُوْنَ	بِالْبَاطِلِ	الْحَقَّ	تَلْبِسُوْنَ	لِمَ
हालांकि तुम	हक़ को	और तुम छुपाते हो	बातिल से	हक़ को	तुम गुड-मुड करते हो	क्यों

ع 7 8 15

بِالَّذِيْٓ	اٰمِنُوْا	مِّنْ اَهْلِ الْكِتٰبِ	طَّآئِفَةٌ	وَقَالَتْ	تَعْلَمُوْنَ (71) ع
उस चीज़ पर	ईमान ले आओ	अहले किताब में से	एक गिरोह ने	और कहा	तुम जानते हो

اٰخِرَهٗ	وَاكْفُرُوْٓا	النَّهَارِ	وَجْهَ	اٰمَنُوْا	عَلَى الَّذِيْنَ	اُنْزِلَ
उसके आख़िर में	और इंकार कर दो	दिन के	अव्वल (वक़्त)	ईमान लाए	उन पर जो	नाज़िल की गई

دِيْنَكُمْ ؕ	تَبِعَ	لِمَنْ	اِلَّا	تُؤْمِنُوْٓا	وَلَا	يَرْجِعُوْنَ (72) ۚ	لَعَلَّهُمْ
तुम्हारे दीन की	पैरवी करे	उस की जो	मगर	तुम मानो	और ना	वो लौट आएं	ताकि वो

مِّثْلَ	اَحَدٌ	يُّؤْتٰٓى	اَنْ	اللّٰهِ ۙ	هُدَى	الْهُدٰى	اِنَّ	قُلْ
मानिंद	कोई एक	दिया जाए	कि	अल्लाह की	हिदायत है	हिदायत	बेशक	कह दीजिए

الْفَضْلَ	اِنَّ	قُلْ	رَبِّكُمْ ؕ	عِنْدَ	يُحَآجُّوْكُمْ	اَوْ	اُوْتِيْتُمْ	مَآ
फ़ज़्ल	बेशक	कह दीजिए	तुम्हारे रब के	पास	वो झगड़ा करेंगे तुमसे	या (ये कि)	दिए गए तुम	उसके जो

عَلِيْمٌ (73) ۚ	وَاسِعٌ	وَاللّٰهُ	يَّشَآءُ ؕ	مَنْ	يُّؤْتِيْهِ	اللّٰهِ ۚ	بِيَدِ
ख़ूब इल्म वाला है	वुसअत वाला है	और अल्लाह	वो चाहता है	जिसे	वो देता है उसे	अल्लाह के	हाथ में है

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

يَخْتَصُّ	بِرَحْمَتِهٖ	مَنْ	يَّشَآءُ ۭ	وَاللّٰهُ	ذُو الْفَضْلِ	الْعَظِيْمِ (74)
वो ख़ास कर लेता है	साथ अपनी रहमत के	जिसे	वो चाहता है	और अल्लाह	फ़ज़्ल वाला है	बहुत बड़े

وَمِنْ اَهْلِ الْكِتٰبِ	مَنْ	اِنْ	تَاْمَنْهُ	بِقِنْطَارٍ	يُّؤَدِّهٖٓ
और अहले किताब में से कोई है	जो	अगर	आप अमानत दें उसे	एक ख़ज़ाना	वो अदा कर देगा उसे

اِلَيْكَ ۚ	وَمِنْهُمْ	مَّنْ	اِنْ	تَاْمَنْهُ	بِدِيْنَارٍ	لَّا يُؤَدِّهٖٓ
तरफ आप के	और कोई वो है	जो	अगर	आप अमानत दें उसे	एक दीनार	नहीं वो अदा करेगा उसे

اِلَيْكَ	اِلَّا	مَا دُمْتَ	عَلَيْهِ	قَاۗىِٕمًا ۭ	ذٰلِكَ	بِاَنَّهُمْ	قَالُوْا
तरफ़ आपके	मगर	जब तक आप रहें	उस पर	क़ायम / खड़े	ये	बवजह इसके कि वो	वो कहते हैं

لَيْسَ	عَلَيْنَا	فِي الْاُمِّيّٖنَ	سَبِيْلٌ ۚ	وَيَقُوْلُوْنَ	عَلَى اللّٰهِ	الْكَذِبَ
नहीं है	हम पर	उम्मियों के बारे में	कोई रास्ता (मुआख़ज़ा)	और वो कहते हैं	अल्लाह पर	झूठ

وَھُمْ	يَعْلَمُوْنَ (75)	بَلٰي	مَنْ	اَوْفٰى	بِعَهْدِهٖ	وَاتَّقٰى	فَاِنَّ
हालांकि वो	वो जानते हैं	क्यों नहीं	जिस ने	पूरा किया	अपने अहद को	और तक़वा किया	तो बेशक

اللّٰهَ	يُحِبُّ	الْمُتَّقِيْنَ (76)	اِنَّ	الَّذِيْنَ	يَشْتَرُوْنَ	بِعَهْدِ اللّٰهِ
अल्लाह	मुहब्बत रखता है	मुत्तक़ी लोगों से	बेशक	वो लोग जो	लेते हैं	बदले अल्लाह के अहद के

وَاَيْمَانِهِمْ	ثَـمَنًا	قَلِيْلًا	اُولٰۗىِٕكَ	لَا خَلَاقَ	لَھُمْ	فِي الْاٰخِرَةِ
और अपनी क़समों के	क़ीमत	थोड़ी	यही लोग हैं	नहीं कोई हिस्सा	उन के लिए	आख़िरत में

وَلَا	يُكَلِّمُهُمُ	اللّٰهُ	وَلَا	يَنْظُرُ	اِلَيْهِمْ	يَوْمَ	الْقِيٰمَةِ	وَلَا
और ना	कलाम करेगा उनसे	अल्लाह	और ना	वो देखेगा	तरफ़ उन के	दिन	क़यामत के	और ना

يُزَكِّيْهِمْ ۠	وَلَهُمْ	عَذَابٌ	اَلِيْمٌ (77)	وَاِنَّ	مِنْهُمْ	لَفَرِيْقًا
वो पाक करेगा उन्हें	और उनके लिए	अज़ाब है	दर्दनाक	और बेशक	उनमें से	अलबत्ता एक गिरोह (के लोग) हैं

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

يَلْوٗنَ	اَلْسِنَتَهُمْ	بِالْكِتٰبِ	لِتَحْسَبُوْهُ	مِنَ الْكِتٰبِ	وَمَا	هُوَ
जो मोड़ते हैं	अपनी ज़बानों को	साथ किताब के	ताकि तुम समझो उसे	किताब में से	हालांकि नहीं	वो

مِنَ الْكِتٰبِ ۚ	وَيَقُوْلُوْنَ	هُوَ	مِنْ عِنْدِ اللّٰهِ	وَمَا	هُوَ
किताब में से	और वो कहते हैं	वो	अल्लाह के पास से है	हालांकि नहीं	वो

مِنْ عِنْدِ اللّٰهِ ۚ	وَيَقُوْلُوْنَ	عَلَى اللّٰهِ	الْكَذِبَ	وَهُمْ	يَعْلَمُوْنَ ﴿78﴾
अल्लाह के पास से	और वो कहते हैं	अल्लाह पर	झूठ	हालांकि वो	वो जानते हैं

مَا	كَانَ	لِبَشَرٍ	اَنْ	يُّؤْتِيَهُ	اللّٰهُ	الْكِتٰبَ	وَالْحُكْمَ
नहीं	है	किसी बशर के लिए	कि	दे उसे	अल्लाह	किताब	और हुकूमत

وَالنُّبُوَّةَ	ثُمَّ	يَقُوْلَ	لِلنَّاسِ	كُوْنُوْا	عِبَادًا	لِّيْ
और नुबुव्वत	फिर	वो कहे	लोगों से	हो जाओ	बंदे	मेरे

مِنْ دُوْنِ	اللّٰهِ	وَلٰكِنْ	كُوْنُوْا	رَبّٰنِيّٖنَ	بِمَا	كُنْتُمْ	تُعَلِّمُوْنَ
सिवाए	अल्लाह के	और लेकिन	हो जाओ	रब वाले	बवजह उसके जो	हो तुम	तुम तालीम देते

الْكِتٰبَ	وَبِمَا	كُنْتُمْ	تَدْرُسُوْنَ ﴿79﴾ لا	وَلَا	يَاْمُرَكُمْ	اَنْ
किताब की	और बवजह उसके जो	हो तुम	तुम पढ़ते	और नहीं	वो हुक्म देता तुम्हें	कि

تَتَّخِذُوا	الْمَلٰٓئِكَةَ	وَالنَّبِيّٖنَ	اَرْبَابًا ط	اَيَاْمُرُكُمْ	بِالْكُفْرِ	بَعْدَ
तुम बना लो	फ़रिश्तों को	और नबियों को	(मुख़्तलिफ़) रब	क्या वो हुक्म देगा तुम्हें	कुफ़्र का	बाद इसके

اِذْ	اَنْتُمْ	مُّسْلِمُوْنَ ﴿80﴾ ع	وَاِذْ	اَخَذَ	اللّٰهُ	مِيْثَاقَ	النَّبِيّٖنَ
जब	तुम	मुसलमान हो	और जब	लिया	अल्लाह ने	पुख़्ता अहद	नबियों से

ع 8 9 16

لَمَآ	اٰتَيْتُكُمْ	مِّنْ كِتٰبٍ	وَّحِكْمَةٍ	ثُمَّ	جَآءَكُمْ	رَسُوْلٌ
अलबत्ता जो	दूं मैं तुम्हें	किताब में से	और हिकमत में से	फिर	आ जाए तुम्हारे पास	एक रसूल

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

مُّصَدِّقٌ	لِّمَا	مَعَكُمْ	لَتُؤْمِنُنَّ	بِهٖ	وَلَتَنْصُرُنَّهٗ ؕ	قَالَ
तसदीक़ करने वाला	उस की जो	तुम्हारे पास है	अलबत्ता तुम ज़रूर ईमान लाओगे	उस पर	और अलबत्ता तुम ज़रूर मदद करोगे उसकी	फ़रमाया

ءَاَقْرَرْتُمْ	وَاَخَذْتُمْ	عَلٰى ذٰلِكُمْ	اِصْرِىْ ؕ	قَالُوْٓا	اَقْرَرْنَا ؕ	قَالَ
क्या इक़रार किया तुमने	और लिया तुमने	उस पर	अहद मेरा	उन्होंने कहा	इक़रार किया हमने	फ़रमाया

فَاشْهَدُوْا	وَاَنَا	مَعَكُمْ	مِّنَ الشّٰهِدِيْنَ (81)	فَمَنْ	تَوَلّٰى	بَعْدَ
पस गवाह रहो	और मैं हूं	साथ तुम्हारे	गवाहों में से	तो जो कोई	मुंह मोड़ जाए	बाद

ذٰلِكَ	فَاُولٰٓئِكَ	هُمُ	الْفٰسِقُوْنَ (82)	اَفَغَيْرَ	دِيْنِ اللّٰهِ	يَبْغُوْنَ
इसके	तो यही लोग हैं	वो	जो फासिक़ हैं	क्या भला अलावा	अल्लाह के दीन के	वो (कुछ और) तलाश करते हैं

وَلَهٗٓ	اَسْلَمَ	مَنْ	فِى السَّمٰوٰتِ	وَالْاَرْضِ	طَوْعًا	وَّكَرْهًا
हालांकि उसी के लिए	फ़रमांबरदार हुआ	जो कोई	आसमानों में	और ज़मीन में है	खुशी से	और ना खुशी से

وَّاِلَيْهِ	يُرْجَعُوْنَ (83)	قُلْ	اٰمَنَّا	بِاللّٰهِ	وَمَآ	اُنْزِلَ	عَلَيْنَا
और तरफ़ उसी के	वो लौटाए जाएंगे	कह दीजिए	ईमान लाए हम	अल्लाह पर	और जो	नाज़िल किया गया	हम पर

وَمَآ	اُنْزِلَ	عَلٰٓى اِبْرٰهِيْمَ	وَاِسْمٰعِيْلَ	وَاِسْحٰقَ	وَيَعْقُوْبَ
और जो	नाज़िल किया गया	इब्राहीम पर	और इसमाईल	और इसहाक़	और याक़ूब

وَالْاَسْبَاطِ	وَمَآ	اُوْتِىَ	مُوْسٰى	وَعِيْسٰى	وَالنَّبِيُّوْنَ	مِنْ رَّبِّهِمْ ۚ
और औलादे याक़ूब पर	और जो	दिए गए	मूसा	और ईसा	और तमाम अम्बिया	अपने रब की तरफ़ से

لَا نُفَرِّقُ	بَيْنَ	اَحَدٍ	مِّنْهُمْ ز	وَنَحْنُ	لَهٗ	مُسْلِمُوْنَ (84)
नहीं हम फ़र्क़ करते	दर्मियान	किसी एक के	उनमें से	और हम	उसी के	फ़रमांबरदार हैं

وَمَنْ	يَّبْتَغِ	غَيْرَ	الْاِسْلَامِ	دِيْنًا	فَلَنْ	يُّقْبَلَ	مِنْهُ ج
और जो कोई	चाहेगा	सिवाए	इस्लाम के	कोई दीन	तो हरगिज़ नहीं	वो क़ुबूल किया जाएगा	उससे

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

قَوْمًا	اللّٰهُ	يَهْدِى	كَيْفَ	مِنَ الْخٰسِرِيْنَ ﴿85﴾	فِى الْاٰخِرَةِ	وَهُوَ
उस क़ौम को	अल्लाह	हिदायत देगा	किस तरह	ख़सारा पाने वालों में से होगा	आख़िरत में	और वो

حَقٌّ	الرَّسُوْلَ	اَنَّ	وَشَهِدُوْٓا	اِيْمَانِهِمْ	بَعْدَ	كَفَرُوْا
बरहक़ हैं	रसूल	कि बेशक	और उन्होंने गवाही दी	अपने ईमान लाने के	बाद	जिन्होंने कुफ़्र किया

الظّٰلِمِيْنَ ﴿86﴾	الْقَوْمَ	لَا يَهْدِى	وَاللّٰهُ	الْبَيِّنٰتُ ؕ	وَّجَآءَهُمُ
जो ज़ालिम हैं	उन लोगों को	नहीं वो हिदायत देता	और अल्लाह	वाज़ेह निशानियां	और आईं उनके पास

وَالنَّاسِ	وَالْمَلٰٓئِكَةِ	اللّٰهِ	لَعْنَةَ	عَلَيْهِمْ	اَنَّ	جَزَآؤُهُمْ	اُولٰٓئِكَ
और लोगों की	और फ़रिश्तों की	अल्लाह की	लानत है	उन पर	कि बेशक	बदला उनका	यही लोग हैं

وَلَا	الْعَذَابُ	عَنْهُمُ	لَا يُخَفَّفُ	فِيْهَا ۚ	خٰلِدِيْنَ	اَجْمَعِيْنَ ﴿87﴾ ۙ
और ना	अज़ाब	उनसे	ना हल्का किया जाएगा	उसमें	हमेशा रहने वाले हैं	सबके सबकी

وَاَصْلَحُوْا	مِنْ بَعْدِ ذٰلِكَ	تَابُوْا	الَّذِيْنَ	اِلَّا	يُنْظَرُوْنَ ﴿88﴾	هُمْ
और इस्लाह की	बाद उसके	तौबा की	वो जिन्होंने	मगर	वो मोहलत दिए जाएंगे	वो

كَفَرُوْا	الَّذِيْنَ	اِنَّ	رَّحِيْمٌ ﴿89﴾	غَفُوْرٌ	اللّٰهَ	فَاِنَّ
कुफ़्र किया	वो जिन्होंने	बेशक	निहायत रहम करने वाला है	बहुत बख़्शने वाला है	अल्लाह	तो बेशक

تُقْبَلَ	لَّنْ	كُفْرًا	ازْدَادُوْا	ثُمَّ	اِيْمَانِهِمْ	بَعْدَ
क़ुबूल की जाएगी	हरग़िज़ ना	कुफ़्र में	वो बढ़ते गए	फिर	अपने ईमान के	बाद

كَفَرُوْا	الَّذِيْنَ	اِنَّ	الضَّآلُّوْنَ ﴿90﴾	هُمُ	وَاُولٰٓئِكَ	تَوْبَتُهُمْ ۚ
कुफ़्र किया	वो जिन्होंने	बेशक	जो गुमराह हैं	वो	और यही लोग हैं	तौबा उनकी

مِنْ اَحَدِهِمْ	يُّقْبَلَ	فَلَنْ	كُفَّارٌ	وَهُمْ	وَمَاتُوْا
उनमें से किसी एक से	क़ुबूल किया जाएगा	तो हरग़िज़ ना	काफ़िर थे	इस हाल में कि वो	और मर गए

©AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

مِّلْءُ الْاَرْضِ	ذَهَبًا	وَّلَوِ	افْتَدٰى	بِهٖ ؕ	اُولٰٓئِكَ
ज़मीन भर	सोना	और अगरचे	वो फिदया दें	उसका	यही लोग हैं

ع 9 11 17

لَهُمْ	عَذَابٌ	اَلِيْمٌ	وَّمَا	لَهُمْ	مِّنْ نّٰصِرِيْنَ ﴿91﴾ ع
उनके लिए	अज़ाब है	दर्दनाक	और नहीं	उनके लिए	मददगारों में से कोई

© AL-HUDA INTERNATIONL WELFARE FOUNDATION